शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 279 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 27 सितंबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

बरेली हिंसा पर मुख्यमंत्री सख्त

'मौलाना भूल गया था यूपी में किसकी सत्ता है'

दंगाइयों को उन्हीं की भाषा में सबक सिखायाः योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित होटल ताज में आज 'विकसित उत्तर प्रदेश विजन 2047' के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। इस मौके पर यूपी के विकास और आने वाले समय में प्रदेश के विकास के लक्ष्य पर चर्चा हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में हिंसा किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि बरेली में दंगा करने वालों को उन्हीं की भाषा में सबक सिखाया गया है। उनकी सात पीढ़ियां अब दंगा नहीं करेंगी। सीएम योगी ने कहा कि बरेली का मौलवी भूल गया था। (शेष पृष्ठ-4 पर)

बरेली का मौलाना हिरासत में

बरेली (एजेंसी)। उपद्रव के बाद शहर के चार थानों में मौलाना तौकीर रजा समेत सैकड़ों अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी पंजीकृत की गई है। यह प्राथमिकी पुलिस की ओर से दर्ज कराई जा रही हैं। जानकारी के मुताबिक बरेली पुलिस ने मौलाना तौकीर रजा को हिरासत में ले लिया है।

बारादरी थाने में दो मुकदमे पंजीकृत किए गए हैं। पहले मुकदमे में पुलिस ने 28 लोगों को नामजद करते हुए, ढाई सौ अज्ञात लोगों को शामिल किया है। इसी के साथ दूसरे मुकदमे में करीब 18 लोगों को नामजद करते हुए बाकी डेढ़ सौ अज्ञात लोगों को शामिल किया है। इसी तरह से दूसरे मुकदमे में भी 18 लोगों को नामजद किया गया है। पुलिस के मुताबिक अभी तक कोतवाली, बारादरी, प्रेमनगर और किला थाने में भी मुकदमे लिखे गए हैं जिसमें मौलाना तौकीर रजा को भी नामजद किया गया है।

डिवाइडर से टकराकर पलटी थार, पांच दोस्तों की मौत

गुरूग्राम में दर्दनाक हादसा, यूपी के रहने वाले थे मृतक दोस्त

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम-दिल्ली-जयपुर हाईवे पर बड़ा ही दर्दनाक हादसा हुआ है। झाड़सा फ्लाईओवर के पास एग्जिट डिवाइडर से एक बेकाबू थार गाड़ी जा टकराई। इस भीषण हादसे में थार सवार पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन युवती और दो युवक शामिल हैं। थार में कुल छह लोग सवार थे सवार थे। ओवरस्पीड होने के कारण थार अनियंत्रित हो गई और ये हादसा हो गया। मरने वाले सभी लोग उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे।

जानकारी के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 4.30 बजे हुआ। दिल्ली से जयपुर जाने वाली साइड पर एग्जिट 9 के डिवाइडर से तेज रफ्तार थार जा टकराई। यूपी नंबर की ब्लैक थार में तीन युवक और तीन युवती सवार थीं। इस हादसे में 3 युवती सहित 2 युवकों की मौत हो गई है। एक युवक गम्भीर रूप से घायल है।

गुरुग्राम पुलिस के पीआरओ संदीप कुमार ने बताया कि सुबह करीब 4:30 बजे गुरुग्राम पुलिस को एक एसयूवी के दुर्घटनाग्रस्त होने और कुछ लोगों के घायल होने की सूचना मिली। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और एम्बुलेंस को बुलाया गया। चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। दो अन्य को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, जहाँ एक महिला ने दम तोड़ दिया। वाहन में छह लोग सवार थे- 3 महिलाएं और 3 पुरुष। पाँच की मौत हो गई और एक घायल का इलाज चल रहा है। दुर्घटनाग्रस्त वाहन को पुलिस को सौंप दिया गया है। मृतकों में प्रतिष्ठा मिश्रा निवासी रायबरेली उत्तर प्रदेश, आदित्य प्रताप सिंह उम्र 30 वर्ष, निवासी आगरा उत्तर प्रदेश, गौतम निवासी सोनीपत, हरियाणा वर्तमान निवासी ग्रेटरनोएडा, लावण्या, उम्र 26 वर्ष, निवासी आगरा उत्तर प्रदेश और सोनी शामिल हैं। घायल व्यक्ति का नाम कपिल शर्मा, उम्र 28 वर्ष, निवासी बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश है। घायलों और मृतकों के परिवारों को सूचित कर दिया गया है।

खेत से रास्ता न देने पर दबंग ने धमकाया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। खेत में से प्लॉट के लिए रास्ता ना देने पर दबंग उसके साथियों ने दलित के साथ मारपीट कर गाली गलौज की। इस दौरान आरोपियों ने जाति सूचक शब्दों का भी प्रयोग किया पीड़ित ने थाना दादरी में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम रायपुर बांगर निवासी जयचंद ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 25 सितंबर की शाम को वह अपने बेटे मेघराज के साथ खेत पर गया था। उसके खेत के बराबर में जयवीर पुत्र फिरे सिंह निवासी ग्राम डाबरा का प्लॉट है। जयवीर ने उसे देखते ही गाली गलौज शुरू कर दी और उसके खेत से अपने प्लॉट के लिए रास्ता देने को कहा। इस पर उसने तथा उसके बेटे ने रास्ता देने से (शेष पृष्ठ-4 पर)

इलाके में डर फैलाने के लिए फायरिंग

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कार सवार युवकों पर ताबड़तोड़ फायरिंग की सूचना से पुलिस में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे थाना बिसरख पुलिस ने जांच पड़ताल की तो पता चला कि नशे में युवकों ने खुद ही अपनी कार पर फायरिंग कर पुलिस को झूठी सूचना दी थी। पुलिस ने इस मामले में आठ युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर एक युवक को अवैध पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि 25 सितंबर की देर रात्रि सादुल्लापुर निवासी राहुल पहलवान ने डायल 112 पर कॉल कर सूचना दी की कुछ लोगों ने उनके भाई को गोली मार दी है और हमला कर रहे हैं पीआरबी से सूचना मिलने पर पुलिस टीम बताए गए घटनास्थल मिलक लच्छी निकट शमशान घाट पहुंची। पुलिस टीम को यहां पर चार युवक नशे की हालत में मिले पूछताछ में युवकों ने अपने नाम राहुल यादव निवासी सरफाबाद, विकास यादव निवासी होशियारपुर, विकल यादव निवासी सेक्टर-122 तथा आशु शर्मा निवासी चौड़ा रघुनाथपुर बताया। सूचना देने वाले राहुल पहलवान ने पुलिस को बताया कि वह लोग ग्राम सादुल्लाह पर से अपने दोस्त यश नागर, राहुल यादव, अभिषेक कसाना उर्फ अनु, रितिक के साथ घर वापस जा रहे थे। (शेष पृष्ठ-4 पर)

बहू को दवाई के बहाने दिया जहर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर में एक व्यक्ति ने अपनी बेटी की ससुराल वालों के खिलाफ जहर देकर हत्या का प्रयास किए जाने का आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। इस मामले में पति सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। मूल रूप से सासनी हाथरस के रहने वाले देवेंद्र टोंगड़ ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी बेटी की शादी जेवर निवासी आशीष के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही आशीष के परिजनों ने उसकी बेटी को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। पूर्व में भी आशीष ने उनकी बेटी को मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया था। (शेष पृष्ठ-4 पर)

ससुरालियों के खिलाफ मामला दर्ज

पेट में चाकू सटाकर युवक को लूटा

नोएडा (चेतना मंच)। बाइक सवार तीन बदमाशों ने लूट की वारदातों को अंजाम दिया है। रात में घर लौट रहे युवक को चाकू का भय दिखाकर बदमाशों ने उससे मोबाइल फोन व नगदी लूट ली। विरोध करने पर बदमाशों ने युवक के साथ मारपीट भी की

थाना सेक्टर-113 में दर्ज कराई रिपोर्ट में अभिषेक कुमार ने बताया कि 2 सितंबर की रात्रि को वह अपने काम से घर आ रहा था। सेक्टर-76 में स्थित अग्रवाल आटा चक्की के पास उसे तीन लड़कों ने घेर लिया। एक युवक ने उसके पेट पर चाकू सटा दिया और उसका मोबाइल फोन व ढाई हजार रुपए छीन लिए। उसने जब इस बात का विरोध किया तो तीनों बदमाशों ने उसके साथ मारपीट की लूटपाट की घटना को अंजाम देने के बाद तीनों बदमाश फरार हो गए। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

बाइक नहीं लौटा रहा परिचित, FIR दर्ज

नोएडा (चेतना मंच)। जानकार को बाइक देना एक व्यक्ति को खासा महंगा पड़ा। जानकार अब बाइक नहीं लौट रहा है। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ थाना सेक्टर-142 में मुकदमा दर्ज कराया है।

मूल रूप से जनपद अलीगढ़ के रहने रजनेश ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि ग्रीन वैली कॉलोनी में रहने वाले प्रशांत कुमार सिंह उसका जानकार है। 10 सितंबर को प्रशांत कुमार उसकी बाइक को मांग कर ले गया। इसके बाद उसने बाइक वापिस नहीं की। उसने कई बार प्रशांत कुमार से अपनी बाइक मांगी लेकिन वह बाइक को नहीं लौट रहा है। पीड़ित शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

प्राधिकरण की कार्यप्रणाली न सुधरी तो फोनरवा करेगा प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टरों के विकास कार्यों में बरती जा रही उपेक्षा के चलते फोनरवा ने नोएडा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर आक्रोश जताया। फोनरवा के अध्यक्ष समेत सभी पदाधिकारियों ने निर्णय लिया कि यदि सेक्टरों से जुड़े लंबित प्रस्तावों पर शीघ्र अमल नहीं हुआ तो मजबूरन प्राधिकरण के कार्यालय पर धरना दिया जाएगा।

फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (फोनरवा) की कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में अन्य विषयों के साथ-साथ आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने नोएडा जैसे तेजी से विकसित हो रहे शहर में विकास की धीमी रफ्तार पर गहरा रोष व्यक्त किया। पदाधिकारियों ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण में फाइलें अनावश्यक रूप से लंबित रखी जाती हैं और निर्णय लेने में अत्यधिक देर की जाती है।

बैठक में सदस्यों ने कहा कि प्राधिकरण के साथ बैठकों में उठाए गए मुद्दों—जैसे रुके हुए विकास कार्य, सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार कुत्तों से संबंधित निर्णय का अनुपालन, स्वच्छ पेयजल आपूर्ति, अतिक्रमण, वेंडिंग ज़ोन का निर्धारण, आरडब्ल्यूए सब्सक्रिप्शन न देने वाले निवासियों पर कार्रवाई, पार्किंग शुल्क में कमी तथा अनधिकृत फ्लैट विस्तार को नियमित करने हेतु पेनल्टी प्रणाली—पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है।

फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने बताया कि सभी सर्किलों में आयोजित बैठकों में यह सामने आया कि अधिकांश प्रस्ताव केवल उच्च अधिकारियों को (शेष पृष्ठ-4 पर)

केवी के छात्र को लाठी-डंडों से पीटा

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 24 स्थित केंद्रीय विद्यालय में पढ़ने वाले 11वीं कक्षा के छात्र के साथ स्कूल के दो पूर्व छात्रों ने लाठी डंडों से मारपीट की। मारपीट में छात्र को काफी चोटें आई हैं। छात्र के पिता ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना सेक्टर 24 में नामजद मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर-12 में रहने वाले कमल लाल ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उनका बेटा केंद्रीय विद्यालय में 11वीं कक्षा का छात्र है। 26 सितंबर को वह स्कूल गया था। स्कूल की छुट्टी होने के बाद केंद्रीय विद्यालय के पूर्व छात्र वरुण नेगी रूद्र राणा और दक्ष राणा ने उसके बेटे के साथ लाठी डंडों से मारपीट की। तीनों आरोपी जबरन उसे अपने साथ ले गए और खोड़ा कॉलोनी की पार्किंग में छोड़कर चले गए। जाते समय तीनों आरोपियों ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराने पर जान से मारने की धमकी दी। कमल लाल का कहना है कि तीनों आरोपी अक्सर उसके बेटे के साथ गाली गलौज कर उसे जान से मारने की धमकी देते हैं। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

मकान में लगाई सेंध, जेवरात व नगदी चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी क्षेत्र के सेक्टर ओमीक्रोन 1 में चोरों ने एक मकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया।चोर घर से लाखों रुपए के जेवरात व ढाई लाख रुपए की

नगदी चोरी कर ले गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। ओमिक्रॉन सेक्टर में रहने वाले सुभाष चंद्र ने बताया कि 24 सितंबर की रात्रि को वह अपने परिजनों के साथ घर में सो रहे थे। देर रात्रि अज्ञात चोरों ने उनके घर में घुसकर अलमारी में रखे जेवरात में ढाई लाख रुपए की नगदी चोरी कर ली। सुबह जब वह सो कर उठे तो उन्हें सामान अस्त व्यस्त मिला। इसके बाद उन्होंने अलमारी देखी तो उसका ताला टूटा हुआ था। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और चोरों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

बिहार चुनाव को लेकर भाजपा के प्रवासी प्रभारियों की हुई बैठक

घर-घर जाकर बताई जाएंगी पार्टी व सरकार की नीतियां : डॉ. महेश शर्मा

पटना/नोएडा (चेतना मंच)। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के मददेनजर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों तथा प्रवासी प्रभारियों की बैठक हुई। बैठक में चुनाव को लेकर रणनीति पर मंथन हुआ।

इस अवसर पर गौतमबुद्धनगर के सांसद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. महेश शर्मा भी बैठक में शामिल थे। यह बैठक पटना स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में संपन्न हुई। इस बैठक में देश के गृहमंत्री अमित शाह प्रमुख रूप से मौजूद थे।

सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने बताया कि बैठक में भाजपा संगठन को और मजबूत बनाने तथा आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीतिक विमर्श किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष, बिहार विधानसभा चुनाव प्रभारी एवं केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तथा बिहार प्रभारी विनोद तावडे भी उपस्थित थे।

डॉ. महेश शर्मा ने बताया कि इस सार्थक संवाद से संगठनात्मक मजबूती के साथ-साथ बिहार में एनडीए की ऐतिहासिक विजय और सुशासन के संकल्प को ठोस आधार मिलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा नेतृत्व के मार्गदर्शन में कार्यकर्ता नए उत्साह और ऊर्जा के साथ जनता तक पहुंचेंगे और पार्टी की नीतियों को घर-घर तक ले जाएंगे।

सिगरेट के पैसे देने को लेकर मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर क्षेत्र में सिगरेट के पैसे देने को लेकर दो युवकों में वाद-विवाद हो गया। वाद विवाद इस कदर बढ़ा कि इसमें उनके साथी भी कूद पड़े और जमकर मारपीट हुई। मारपीट की वजह से घटनास्थल पर भगदड़ की स्थिति हो गई। थाना जेवर पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

थाना जेवर में तैनात उप निरीक्षक ओमप्रकाश निषाद ने बताया कि वह बीती रात्रि कस्बा जेवर में गश्त पर थे। इस दौरान सूचना मिली कि प्रज्ञान रोड नई बस्ती के पास कुछ युवकों के बीच झगड़ा हो रहा है। इसके बाद वह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो वहां दो पक्षों के बीच झगड़ा व मारपीट हो रही थी। दोनों पक्ष एक दूसरे के साथ गाली गलौज कर रहे थे। पुलिस को देखकर दोनों पक्ष एक दूसरे को जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। जांच के दौरान पता चला (शेष पृष्ठ-4 पर)

रंजिश में तोड़ दिया गाँव में बना स्मृति गेट

नोएडा (चेतना मंच)। जमीनी विवाद में एक व्यक्ति ने बस से टक्कर मारकर दूसरे पक्ष द्वारा गांव में बनाए गए स्मृति गेट को तोड़ दिया। पीड़ित ने थाना सेक्टर-113 में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

सोरखा गांव निवासी रमेश ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनके परिजनों द्वारा एफ एन जी सर्विस रोड पर गांव में स्मृति गेट बनाया हुआ है। 25 सितंबर को बस चालक मुकेश ने स्मृति गेट में टक्कर मार कर उसे तोड़ दिया जिससे काफी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि बस के मालिक के साथ उनका जमीनी विवाद चल रहा है और यह मामला न्यायालय में भी लंबित है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com

RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com

Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

खोखले बयान

संयुक्त राष्ट्र महासभा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप का जैसा अगंभीर व असामान्य व्यवहार नजर आया, उससे कहीं से नहीं लगा कि वे विश्व की एक महाशक्ति का नेतृत्व कर रहे हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दुनिया में युद्धों को समाप्त करने के लिये सिर्फ बयानबाजी नहीं, ठोस रणनीति व गंभीर प्रयासों की जरूरत होती है। संयुक्त राष्ट्र में डोनॉल्ड खुद को लगातार जबरदस्ती एक शांति के मसीहा के तौर पर पेश करते रहे हैं। उन्होंने दावा दोहराया कि उनके नेतृत्व में दुनिया में सात युद्धों को समाप्त किया गया। दावा कि उन्होंने संघर्ष को नियंत्रित करने में निर्णायक भूमिका का निर्वहन किया। जबकि इसके विपरीत उनके भाषण का सार कुछ और ही दर्शाता है। साफ नजर आया कि एक ऐसा नेता जो स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक सहयोग के स्तंभों को ही कमजोर कर रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि पूंजीपति सरोकारों के अनुरूप उन्होंने 'जलवायु परिवर्तन को अब तक का सबसे बड़ा धोखा' बताकर खारिज कर दिया। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों से पूरी दुनिया में जन-धन की व्यापक क्षति हो रही है। इसके चलते सूखे, बाढ़ व विनाशकारी तूफानों से पूरी दुनिया की खाद्य सुरक्षा खतरे में नजर आ रही है। जो मानव जीवन को लगातार संघर्षमय बना रहे हैं। ट्रंप का शांति बनाये रखने के दावे करना और जलवायु परिवर्तन की वास्तविकता को नकारना, उनके विरोधाभासी व्यवहार को ही दर्शाता है। साथ ही उनकी बयानबाजी के खोखलेपन को ही उजागर करता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि उन्होंने विश्वव्यापी प्रवासन को 'राष्ट्रों को नष्ट करने वाली' शक्ति बताकर निंदा की, जो मानवता के खिलाफ दुर्भावना ही कही जाएगी। बेहतर भविष्य और सुखमय जीवन की तलाश में प्रवासन सदियों से मानव इतिहास का हिस्सा रहा है। जिसने विभिन्न समाजों को नया आकार दिया है और प्रगति को नई गति दी है। निस्संदेह, प्रवासियों को खतरे के रूप में पेश करना जेनोफोबिया को बढ़ावा देना है। जो वैश्विक समुदायों को विभाजित करने की कुत्सित कोशिश है। ऐसे संघर्ष को रोकने के बजाय इस तरह की गैरजिम्मेदार बयानबाजी सामाजिक आक्रोश और विभाजन को ही जन्म देगी। कालांतर ये विकसित राष्ट्रों में आए प्रवासियों के विरुद्ध नस्लीय हिंसा को बढ़ावा देगा। निस्संदेह, प्रवासियों के लिये अपने दरवाजे बंद करने से शांति सुनिश्चित नहीं होती। आज जब आधुनिक तकनीक व संचार क्रांति के चलते दुनिया के एक गांव में तब्दील होने की बात कही जाती है तो यह सोच नितांत अतार्किक व मानवीय मूल्यों की विरोधी ही है। वहीं दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र पर ट्रंप का हमला करना और इसे 'अप्रभावी और पाखंडी करार देना'- उनके कथित शांतिदूत होने के दावे को कमजोर करता है। माना कि संयुक्त राष्ट्र संघ की अपनी सीमाएं हैं, लेकिन आज के संघर्षरत विश्व में यह एकमात्र वैश्विक निकाय है, जो संवाद, मानवीय राहत और शांति स्थापना के लिये कारगर विकल्प प्रस्तुत करता है। खुद को शांति के संरक्षक के रूप में प्रस्तुत करते हुए, इस पर अनुचित तरीके से हमला करना, उन्हीं संस्थाओं को कमजोर करना है, जो दुनिया को युद्ध के संकट से बचाने का काम करती हैं। बहरहाल, घटनाक्रम का भारत के लिये स्पष्ट सबक है कि हमें वाशिंगटन के साथ मजबूत संबंध बनाये रखते हुए, अलगाववादी-संशयवादी राजनीति में नहीं फंसना चाहिए। इसके बजाय, भारत को बहुपक्षवाद, जलवायु नेतृत्व और समावेशी वैश्विक शासन पर दुगनी गति से जोर देना चाहिए। शांति को केवल सैन्य संयम तक सीमित नहीं किया जा सकता। इसके लिये साझी मानवीय चुनौतियों से मुकाबले के लिये सहयोग की आवश्यकता है। ट्रंप के संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिए गए भाषण ने एक अन्य विरोधाभास को भी उजागर किया, कि एक तरफ तो यह नेता युद्धों को समाप्त करने के नाम पर वाहवाही लूटने का श्रेय लेने हेतु तमाम तरह के प्रपंच करता है, लेकिन वहीं दूसरी ओर भविष्य में युद्धों को भड़काने वाली परिस्थितियों को हवा भी देता है। यदि हम दुनिया में सही मायनों में शांति स्थापना की आकांक्षा रखते हैं तो उसके लिये एकजुटता की जरूरत होती है न कि खोखले नारों की।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि कोई कहती है- यदि विधाता भले हैं और सुना जाता है कि वे सबको उचित फल देते हैं, तो जानकीजी को यही वर मिलेगा। हे सखी! इसमें संदेह नहीं है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जौं बिधि बस अस बनै सँजोगू। तौ कृतकृत्य होइ सब लोगू॥
सखि हमरें आरति अति तातें। कबहुँक ए आवहिं एहि नातें॥

जो दैवयोग से ऐसा संयोग बन जाए, तो हम सब लोग कृतार्थ हो जाएँ। हे सखी! मेरे तो इसी से इतनी अधिक आतुरता हो रही है कि इसी नाते कभी ये यहाँ आवेंगे॥

दो0-नाहिं त हम कहुँ सुनहु सखि इन्ह कर दरसनु दूरि।
यह संघटु तब होइ जब पुन्य पुराकृत भूरि॥

नहीं तो (विवाह न हुआ तो) हे सखी! सुनो, हमको इनके दर्शन दुर्लभ हैं। यह संयोग तभी हो सकता है, जब हमारे पूर्वजन्मों के बहुत पुण्य हों॥

बोली अपर कहेहु सखि नीका। एहिं बिआह अति हित सबही का।
कोउ कह संकर चाप कठोरा। ए स्यामल मृदु गात किसोरा॥

दूसरी ने कहा- हे सखी! तुमने बहुत अच्छा कहा। इस विवाह से सभी का परम हित है। किसी ने कहा- शंकरजी का धनुष कठोर है और ये साँवले राजकुमार कोमल शरीर के बालक हैं॥

(क्रमश:..)

मिग-21 की विदाई एक युग का अंत

भारतीय वायु सेना ने आज अपने प्रतिष्ठित मिग-21 लड़ाकू विमानों को रिटायर कर दिया। इस समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी सहित वरिष्ठ सैन्य अधिकारी उपस्थित थे। यह दिन भारतीय वायुसेना के इतिहास में एक युग के अंत का प्रतीक है, क्योंकि मिग-21 ने 1963 से अब तक देश की वायु सुरक्षा की रीढ़ के रूप में सेवा दी।

अलग-अलग अपग्रेड और नए संस्करणों के माध्यम से मिग-21 ने कई युद्धों में अपनी उपयोगिता साबित की, जिनमें 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्ध, और 1999 का कारगिल संघर्ष शामिल हैं। भारत ने अब तक 700 से अधिक मिग-21 विमानों को विभिन्न वेरिएंट्स में खरीदा।

हम आपको बता दें कि मिग-21 विमानों को भारतीय वायु सेना में शामिल किए जाने के समय यह अपनी तकनीक और गति के लिए विश्व के सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों में गिना जाता था। शुरू में यह मुख्यत: इंटरसेप्टर के रूप में कार्य करता था, यानी दुश्मन के विमानों को रोकने और वायु क्षेत्र की रक्षा करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

अलग-अलग अपग्रेड और नए संस्करणों के माध्यम से मिग-21 ने कई युद्धों में अपनी उपयोगिता साबित की, जिनमें 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्ध, और 1999 का कारगिल संघर्ष शामिल हैं। भारत ने अब तक 700 से अधिक मिग-21 विमानों को विभिन्न वेरिएंट्स में खरीदा। सबसे आधुनिक बायसन संस्करण में आधुनिक अवियोनिक्स, रडार और उन्नत मिसाइलें शामिल थीं।

हालांकि, विमानों के एक इंजन वाले होने और पुराने इंजन की समस्याओं के कारण मिग-21 ने वर्षों में कई दुर्घटनाओं का सामना किया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले 60 वर्षों में 500 से अधिक मिग-21 क्रैश हुए, जिनमें कम से कम 170 पायलटों की जान गई। इसके बावजूद, वरिष्ठ अधिकारी मानते हैं कि इतने लंबे समय तक उड़ान भरने वाले विमानों के लिए इसका सुरक्षा रिकॉर्ड अपेक्षाकृत संतोषजनक रहा।

हम आपको यह भी बता दें कि मिग-21 के सेवानिवृत्त होने के बाद, भारतीय वायुसेना की फाइटर स्क्वॉड्रन संख्या घटकर 29 रह गई है, जबकि इसकी मानक संख्या 42 स्क्वॉड्रन है। यह कमी भविष्य में दो-सीमाओं पर संभावित संघर्ष के समय एक गंभीर चुनौती बन सकती है। पाकिस्तान की अनुमानित 20-25 स्क्वॉड्रन और चीन की 60 से अधिक स्क्वॉड्रन क्षमता के मुकाबले यह अंतर स्पष्ट है।

इस समय वायुसेना का ध्यान मुख्य रूप से मजबूत वायु रक्षा प्रणालियों और सतह से हवा तक एवं सतह से सतह तक के हथियारों के सुदृढ़ीकरण पर है। इसी कारण, भारत ने रूसी स्-400 मोबाइल मिसाइल सिस्टम को अपनाया और स्वदेशी आकाश-तीर वायु रक्षा प्रणाली का विकास किया।

भविष्य की तैयारी को देखें तो वायुसेना अपनी घटती फाइटर शक्ति को पूरा करने के लिए स्वदेशी और विदेशी विमानों का मिश्रित मॉडल अपनाने जा रही है। तेजस MkvA HAL द्वारा निर्मित है, इसमें AESA रडार, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट और बीवीआर क्षमताओं वाली मिसाइलें शामिल हैं। इसके अलावा तेजस Mkw और AMCA भविष्य के पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ विमानों के रूप में अगले दशक में सेवा में शामिल होंगे। साथ ही 114 विमानों की खरीद में Dassault Rafale प्रमुख दावेदार है। कुछ विमानों को तुरंत प्राप्त किया जाएगा और बाकी भारत में HAL और Dassault की साझेदारी में बनाए जाएंगे। इसके अलावा, Su-30MKI विमानों के Super-30 प्रोग्राम के तहत 84 विमानों का उन्नयन किया जाएगा।

हम आपको यह भी बता दें कि IAF की नई तकनीक और विमानों की डिलीवरी में लगातार देरी रही है। मिग-21 का लंबे समय तक संचालन इसी कारण संभव हुआ। तेजस MkvA के पहले विमानों की डिलीवरी में भी US से इंजन प्राप्ति और रडार तथा हथियार एकीकरण में देरी आई। AMCA अभी विकास के चरण में है और इसके प्रोटोटाइप को भी कुछ साल लग सकते हैं।

देखा जाये तो मिग-21 का सेवामुक्त होना भारतीय वायुसेना के लिए भावनात्मक और रणनीतिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह विमान न केवल छह दशक तक देश की सुरक्षा का प्रतीक रहा, बल्कि भारतीय वायुसेना की क्षमता, साहस और आत्मनिर्भरता का भी परिचायक रहा। अब जबकि भारत नए युग के उन्नत विमानों की ओर बढ़ रहा है, मिग-21 की विरासत हमेशा याद रहेगी।

-नीरज कुमार दुबे

संवाद से समाधान तक-लेह-लद्दाख में हिंसा का सबक

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा देने व संविधान के अंतर्गत विशेष संरक्षण देने वाली छठी अनुसूची में शामिल करने के लिये चल रहे आंदोलन का हिंसक एवं विध्वंसक होना, विरोध प्रदर्शन, पुलिस के साथ झड़प और आगजनी की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ-साथ चिन्ताजनक है। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्र हुए और उन्होंने लेह में भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में आग लगा दी और उसके बाहर खड़े वाहनों को फूंक दिया। आमतौर पर बेहद शांत रहने वाले लद्दाख के लिए यह बहुत बड़ी घटना है। दरअसल, पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक दो सप्ताह से अनशन पर थे, उनके साथ अन्य कार्यकर्ता भी अनशनरत थे, जिनकी तबीयत बिगड़ने से जन-आक्रोश एवं हिंसा भड़की। इस हिंसा ने अनेक सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर यह घटना वहाँ की जनता के असंतोष और बेचैनी को उजागर करती है, वहीं दूसरी ओर यह संकेत देती है कि लंबे समय से किए जा रहे वादे और आश्वासन क्यों अधूरे रह गए और क्यों स्थानीय लोग स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं?

सरकार ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए के प्रावधान हटाने के साथ ही जम्मू-कश्मीर से अलग कर लद्दाख को केंद्र शासित राज्य बनाया था। तब सरकार ने वादा किया था कि हालात सामान्य होते ही पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। लोगों ने सोचा था कि अब उनकी पहचान, संस्कृति और स्थानीय अधिकार और अधिक सुरक्षित होंगे। लेकिन इसके विपरीत उनकी आशंकाएँ बढ़ीं। उन्हें लगा कि संघ शासित प्रदेश के रूप में दिल्ली से संचालित प्रशासन स्थानीय जरूरतों और आकांक्षाओं को समझने और पूरा करने में असफल हो रहा है। इसी कारण 6 साल बाद लोगों का भरोसा और सब्र डगमगाने लगा। इसी के चलते सोनम वांगचुक को अहिंसक आन्दोलन का रास्ता अख्तियार करना पड़ा, जो कतिपय कारणों से हिंसक हो गया। हालांकि, हिंसा के बाद वांगचुक ने अपना अनशन त्याग कर आंदोलनकारियों से शांति की अपील की है। उन्होंने कहा है कि इस तरह की हिंसा से शांतिपूर्ण आंदोलन का मेरा संदेश आज विफल हो गया। अगर युवा गलत रास्ते पर जाएंगे, तो इससे हमारे वास्तविक उद्देश्य गुम हो जायेंगे। वाकई, लद्दाख के संयमी समाज को सतर्कता और संवेदनशीलता का परिचय देना चाहिए। वांगचुक का पूरा आंदोलन अहिंसक रहा है। सरकार से मतभेद होने पर भी उन्होंने बातचीत का रास्ता नहीं छोड़ा। उनके समर्थन में खड़े युवाओं को इसे समझना चाहिए। हिंसा से समस्या जटिल हो जाएगी। लद्दाख की जो भौगोलिक स्थिति है, उसे देखते हुए वहां के लोगों को कानून-व्यवस्था के प्रति विशेष रूप से सजग रहना चाहिए। लद्दाख का केंद्रशासित प्रदेश बनना एक नये सूरज का उदय होना है और इसका वहां के लोगों ने स्वागत भी किया था। इस क्षेत्र को कश्मीर घाटी के वर्चस्व से मुक्ति मिली थी, पर वहां के लोगों की महत्वाकांक्षा को राजनीति रंग देकर एवं संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के अंधेरों में धकेल कर इसके वास्तविक उद्देश्यों को धुंधलाने की कुचेष्टा की गई है।

हिंसा व आगजनी के बाद केंद्र शासित प्रदेश में संचारबंदी लागू की गई है। मीडिया माध्यमों से कुछ आंदोलनकारियों के मारे जाने की बात भी कही जा रही है। प्रतिक्रिया स्वरूप लेह बंद का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। यह प्रदर्शन कालांतर हिंसक प्रतिरोध में बदल गया। घटनाक्रम के बाद जम्मू-कश्मीर के विपक्षी दलों ने हिंसा के लिये केंद्र को निशाने पर लिया है। कहा गया कि आंदोलनकारी लेह की अस्मिता को संरक्षण देने और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र व लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच आगामी 6 अक्टूबर, 2025 को एक वार्ता का दौर निर्धारित था, जिसमें लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के सदस्य शामिल होने वाले हैं। जब बातचीत होने ही वाली है, तो ऐसे विरोध प्रदर्शन की क्या जरूरत थी? लेह के लोग अधूरे वायदों से खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और उनमें यह डर है कि अगर शासन उनके हाथ में न रहा तो प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन होगा। इसी वजह से आंदोलनकारियों की हिंसक अभिव्यक्ति सामने आई है। वास्तव में, यह पूरा आंदोलन राजनीतिक प्रवृत्ति का है। इस प्रदर्शन को साफ तौर पर सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा सकता है। कहा जा रहा है कि ताजा विरोध-प्रदर्शन केन्द्र से बातचीत को अनुकूल दिशा में ले जाने की रणनीति का हिस्सा है।

लद्दाख के लोग चाहते हैं कि उन्हें पूर्ण राज्य का अधिकार मिले ताकि वे अपने निर्णय स्वयं ले सकें। साथ ही उनकी यह भी माँग है कि उन्हें संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए जिससे उनकी भूमि, संसाधन, परंपराएँ और रोजगार सुरक्षित रहें। रोजगार के अवसरों की कमी और सरकारी नौकरियों में स्थानीय युवाओं की उपेक्षा ने इस असंतोष को और गहरा किया है। लेह और कारगिल के बीच प्रतिनिधित्व को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। लगातार समितियाँ बनीं, बातचीत हुई, आश्वासन दिए गए, लेकिन जब ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो लोगों के भीतर अविश्वास बढ़ा। निस्संदेह, लेह चीन की सीमा से लगा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है, जिसके मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाना जरूरी है। एक बड़ा मुद्दा क्षेत्र के युवाओं की बेरोजगारी रही है। युवाओं की दलील है कि क्षेत्र के युवाओं को पहले जम्मू-कश्मीर पब्लिक सर्विस सेलेक्शन कमीशन में राजपत्रित अधिकारी पदों के लिये आवेदन का मौका मिलता था, जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बंद हो गया। स्थानीय युवा अब केंद्रीय कर्मचारी चयन आयोग की स्पर्द्धा में टिक पाने में दिक्कत महसूस करते हैं। वहीं दूसरी ओर स्थानीय नौकरियों में युवाओं के लिये कोई विशेष अभियान भी नहीं चला। जिससे बेरोजगारों में खासा रोष व्याप्त रहा है।

आंदोलनकारी इसके अलावा कारगिल व लेह को लोकसभा सीट बनाने और स्थानीय लोगों को सरकारी नौकरियों में वरीयता देने की भी मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संविधान के अनुच्छेद 244 की छठी अनुसूची में ऐसी स्वायत्त व अधिकार संपन्न प्रशासनिक इकाइयों का प्रावधान है, जिनके पास जल-जंगल व उद्योगों को लेकर क्षेत्र की संस्कृति व संरक्षण हेतु निर्णय करने का अधिकार होता है। लोग यह महसूस करने लगे कि उनकी जान-माल की सुरक्षा को लेकर सरकार गंभीर नहीं है। लद्दाख की जनता के भीतर असुरक्षा की भावना इसलिए भी है क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी भूमि और संसाधनों पर बाहरी दखल बढ़ रहा है। स्थानीय प्रशासनिक संस्थाएँ जैसे हिल डेवलपमेंट काउंसिल्स कमजोर कर दी गई हैं और महत्वपूर्ण फैसले केंद्र के हाथ में केंद्रित हो गए हैं। इससे यह भावना गहराती है कि स्थानीय समाज की आवाज़ को दबाया जा रहा है। जब लंबे समय तक विश्वास और संवाद की कमी बनी रहती है तो जनता के धैर्य का बाँध टूट जाता है। यह सिर्फ राज्य का दर्जा पाने की माँग नहीं है बल्कि यह आत्म-नियंत्रण, पहचान और न्याय पाने की जद्दोजहद है।

- ललित गर्ग, लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

राशिफल

अश्विन माह, कृष्ण पक्ष पंचमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। पिता का साथ होगा। राजनीतिक लाभ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान भी अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
बच कर पार करें। चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। कोई रिस्क मत लीजिएगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। प्रेमी प्रेमिका की मुलाकात संभव है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा लेकिन डिस्टरबेंस बना रहेगा। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित दिख रहा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भावुकता में आकर कोई निर्णय न लें। अभी महत्वपूर्ण निर्णय रोक कर रखें। प्रेम में तू तू मैं मैं का संकेत है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
गृह कलह के संकेत हैं। लेकिन भूमि भवन वाहन की खरीदारी या भौतिक सुख सुविधा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। व्यावसायिक सफलता मिलेगी स्वास्थ्य अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
जुआ, सट्टा लॉटरी में पैसे ना लगाएं। रिस्क है। जुबान पर काबू रखें। कुटुंबों में थोड़ी सी बात को लेकर के अपनों में हलचल हो सकती है

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
मन चिंतित रहेगा। डर का माहौल रहेगा। किसी बात को लेकर के चिंतित रहेंगे। चिंताकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
खर्च की अधिकता रहेगी। मानसिक चिंता बनी रहेगी। सिर दर्द, नेत्र पीड़ा संभव है। प्रेम, संतान अच्छा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे आएंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

श्री धार्मिक रामलीला कमेटी

सुबाहु, ताड़का वध, अहिल्या उद्धार सियाराम मिलन का हुआ मंचन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। प्रभु श्री राम चारों भाइयों के साथ गुरु वशिष्ठ के आश्रम में विद्या ग्रहण करने के लिए जाते हैं विद्या अभ्यास के बाद जब वापस अयोध्या आते हैं महाराज दशरथ अति प्रसन्न होते हैं और इस समय महर्षि विश्वामित्र का आगमन होता है और वह भगवान राम और भैया लक्ष्मण को साथ ले जाने की आज्ञा मांगते हैं महाराज दशरथ लाख प्रयास करते हैं कि भगवान राम को उनसे दूर न जाना पड़े लेकिन सबके समझने के पश्चात महर्षि विश्वामित्र भगवान राम और लक्ष्मण को लेकर अपने आश्रम पर यज्ञों की पूर्ति के लिए ले जाते हैं वहां अनेक असुरों का वध होता है उनमें से तड़का एक ऐसी राक्षसिनी थी जिसका एक पूरे ताड़कबन पर कब्जा था और उस वन से अगर कोई भी प्राणी जीव जंतु गुजरते थे सभी इसका भोजन बन जाते थे उस वन को भगवान श्री राम ताड़का वध कर उस राक्षसिनी से जनमानस को आजाद करते हैं आगे रास्ते में ऋषि गौतम का आश्रम मिलता है जहां पर वर्षों से देवी अहिल्या पत्थर बनी हुई रहती हैं जो भगवान श्री राम के चरणों के स्पर्श से पुनः स्वरूप धारण करती हैं और परमधाम में स्थान पाती हैं तत्पश्चात महर्षि विश्वामित्र दोनों भाइयों के साथ जनकपुर में प्रस्थान करते हैं और वहां महाराज जनक माता सीता के स्वयंवर में ऋषि विश्वामित्र को आमंत्रित करते हैं महर्षि विश्वामित्र राजमहल से बाहर वास करते हैं भगवान राम से कहते हैं कि उनके पूजन के लिए कुछ पुष्प वाटिका से तोड़ लाएं इस समय माता सीता गौरी पूजन के लिए वाटिका में उपस्थित होती हैं और वह क्षण होता है जब इस ब्रह्मांड के महानायक और इस ब्रह्मांड की भरण पोषण करने वाली वैभव और समृद्धि की देवी साक्षात माता लक्ष्मी की अवतार माता सीता प्रथम मिलन होता है यह दृश्य इस ब्रह्मांड में शाश्वत प्रेम की परिभाषा को स्थापित करता है जिसे देख सभी दर्शकों के हृदय में प्रसन्नता की सीमा नहीं रही और खुशी में सभी दर्शन भगवान श्री राम और माता सीता के जयकारे लगाने लगे पूरा परिसर खुशी से झूम उठा।

इस ब्रह्मांड के स्वामी जिनका रचा हुआ ब्रह्मांड है उनको पढ़ने की क्या आवश्यकता है प्रभु श्री राम ने विद्या प्राप्त करने की प्राथमिकता को इस ब्रह्मांड में अपने लीला द्वारा भी स्थापित किया और हम सभी समाज के लोगों को यह शिक्षा दिया कि हमारे लिए शिक्षा का महत्व सर्वोपरि है।

इस अवसर पर मुख्य संस्थापक परम पूज्य गोस्वामी सुशील महाराज, संस्थापक एडवोकेट राजकुमार नागर, पंडित प्रदीप शर्मा, शेर सिंह भाटी, हरवीर मावी, मुख्य संरक्षक नरेश गुप्ता, संरक्षक सुशील नागर, धीरेंद्र भाटी, मनोज गुप्ता, सतीश भाटी, दिनेश गुप्ता, पवन नागर, बालकिशन सफीपुर, धीरज शर्मा, अध्यक्ष आनंद भाटी, महासचिव श्रीमती ममता तिवारी, कोषाध्यक्ष अजय नागर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश शर्मा बदौली, सुभाष भाटी, उमेश गौतम, योगेंद्र भाटी, मनीष डाबर, श्रीमती रोशनी सिंह, चैन पाल प्रधान, मीडिया प्रभारी अतुल आनंद ,उपाध्यक्ष जितेंद्र भाटी, सत्यवीर मुखिया, फिरे प्रधान, पी पी शर्मा, सुनील बंसल, महेश कमांडो, सचिव एडवोकेट विमलेश रावल, श्रीमती ज्योति सिंह, वीरपाल मावी, जयदीप सिंह, श्रीमती गीता सागर, यशपाल नागर, तेजकुमार भाटी उपस्थित रहे।

श्री रामलीला कमेटी

श्री राम ने किया अहिल्या उद्धार, पैर का स्पर्श पाकर शिला बन गई अहिल्या

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री रामलीला कमेटी ग्रेटर नोएडा द्वारा विजय महोत्सव कार्यक्रम साइट 4 ग्रेनो में किया जा रहा है तीसरे दिन की सुन्दर लीला गणेश वंदना से प्रारम्भ हुई अध्यक्ष मनजीत सिंह ने बताया आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्जलित कर लीला मन्चन का शुभारंभ किया। मुख्यातिथि ने कार्यक्रम स्थल की व्यवस्था को देखकर कमेटी की खूब प्रंशसा की और कहा हम सबको श्री राम के चरित्र को अपने जीवन में अपनाना चाहिए आने वाली पीढ़ी को रामलीला जैसे कार्यक्रम जरूर देखने चाहिए।

महासचिव विजेन्द्र सिंह आर्य ने बताया लीला मन्चन में श्री राम और लक्ष्मण ऋषि विश्वामित्र के आश्रम में आश्रम वासियों की पीढ़ा सुनते हैं उसी समय जनक का दूत आश्रम में आता हैं ऋषि विश्वामित्र को जनक का निमंत्रण देता हैं फिर ऋषि विश्वामित्र और श्री राम और लक्ष्मण जनकपुरी को प्रस्थान करते हैं जनकपुरी जाते हुए मार्ग में गौतम ऋषि की पत्नी अहिल्या का उद्धार भी करते हैं।

कोषाध्यक्ष मनोज गर्ग ने बताया विश्वामित्र संग दोनों भाई जनकपुरी में जनक के विश्राम गृह में पहुँचते हैं और राजा जनक उनसे मिलने आते हैं तत्पश्चात दोनों भाई गुरु विश्वामित्र से आज्ञा पाकर जनक बाजार में घूमने जाते हैं और जनकपुर के बाजार का आनंद लेते हैं उसके बाद दोनों भाई संध्या पूजन के लिये पुष्प लेन वाटिका में जाते हैं वाटिका में माता सीता भी सखियों के साथ गौरी पूजन को वाटिका में आती हैं और वाटिका में दोनों की मुलाकात सीता माता से होती हैं उसके बाद माता सीता गौरी माता का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त करती हैं। सयुक्त महासचिव सौरभ बंसल ने बताय कल 27 सितम्बर को बहुत सुन्दर लीला मंचन होगा जिसमें धनुष यज्ञ , सीता स्वयंवर, लक्ष्मण परशुराम संवाद , जनकपुरी में बारात का स्वागत राम लक्ष्मण भरत शत्रुधन का विवाह , विदाई समारोह आदि लीलाओ का मंचन होगा। मीडिया प्रभारी विनोद कसाना ने बताया कल की लीला में नगरवासियों को अदभुत लीला देखने को मिलेगी जिसमे 50 फिट के धनुष को 55 फिट की ऊँचाई पर खण्डित किया जायेगा यह दर्शय देखने लायक होगा सभी नगर वासी परिवार सहित इस लीला को देखने पहुँचें।

इस अवसर पर अध्यक्ष सरदार मनजीत सिंह धर्मपाल प्रधान बिजेन्द्र सिंह आर्य मनोज गर्ग सौरभ बंसल विनोद कसाना ओमप्रकाश अग्रवाल कुलदीप शर्मा मुकेश शर्मा हरेन्द्र भाटी के के शर्मा कमल सिंह आर्य मुकुल गोयल अमित गोयल अतुल जिन्दल, गिरीश जिन्दल, सुनील प्रधान श्यामवीर भाटी, श्रीचंद भाटी गजेंद्र चौधरी मनोज यादव सुभाष चन्देल अनुज भारतद्वाज अरुण गुप्ता अरुण जैन मोंनु अग्रवाल विकास, रिंकू , दीपक , टी पी सिंह आदि सदस्य उपस्थित रहे।

छात्र नेता की रिहाई के लिए सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मेरठ जिले के दादरी गांव में गुर्जर समाज के धरने के दौरान गिरफ्तार किए गए समाजवादी छात्र सभा के जिला अध्यक्ष मोहित नागर की रिहाई को लेकर गुरुवार को समाजवादी छात्र सभा ने सूरजपुर स्थित जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और महामहिम राष्टपति के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा।

इस मौके पर समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश सचिव प्रशांत भाटी ने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित हो रे गुर्जर समाज के धरने से समाज के नेताओं को असंवैधानिक तरीके से गिरफ्तार कर जेल भेजना दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा सरकार में तानाशाही चरम सीमा पर है, सरकार लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन कर रही है। उन्होंने राष्ट्रपति को लिखे ज्ञापन में समाजवादी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष मोहित नागर सहित जेल भेजे गए लोगों को जल्दी रिहा करने की मांग की। इस मौके पर मुख्य रूप से श्याम सिंह भाटी एडवोकेट छुक्कयादव कपिल ऋतिक प्रधान अनंत शुक्ला हैप्पी शर्मा मनवीर नागर हरिंदर विक्की अबरार एडवोकेट आदि लोग मौजूद रहे।

भाजपा ने आयोजित की कार्यशाला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी गौतमबुद्धनगर

पर आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष प्रांशुदत्त द्विवेदी रहे। विशिष्ट अतिथि जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता रहे। कार्यशाला की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने की कार्यशाला का संचालन जिला उपाध्यक्ष सतेन्द्र नागर ने किया।

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष प्रांशुदत्त द्विवेदी ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरंतर सामाजिक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का संदेश देश भर में विभिन्न आयामों में गूँज रहा हैं आज का आत्मनिर्भर भारत घर में घुसकर मारता हैं आप्रेशन सिंदूर के दौरान भारत के पराक्रम को दुनिया ने देखा कैसे पाकिस्तान को मात्र 22 मिनट में घुटने टेकने पर मजबूर किया और आज का भारत अमेरिका के टेरीफ़ से नहीं डरता आज का भारत दुनिया के शक्तिशाली देशों के साथ ग़रीब देशों को साथ लेकर चलता है भारत को और मजबूत बनाने के लिये स्वदेशी उत्पादकों वस्तुओं का उपयोग करने के लिये देश के लोगो को प्रोत्साहित करे जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता ने कहा कि हम सभी कार्यकर्ताओं को गाँव शहर नगर में जाकर स्वदेशी वस्तुओं के प्रचार प्रसार में लगना है दुकानदारों से सम्पर्क कर स्वदेशी उत्पादों वस्तुओं को बेचने खरीदने के लिये प्रेरित करना है एम एल सी विधायक नरेन्द्र भाटी जी एवं जेवर विधायक श्री धीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को देश की जनता स्वदेशी सामान का उपयोग करके आत्मनिर्भर भारत अभियान को आगे बढ़ाएगी

कार्यशाला को जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि 28 से जिला 30 सितंबर तक मंडलों पर आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान कार्यशाला आयोजित की जाएंगी इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष विजय भाटी जिला महामंत्री मनोज गर्ग दीपक भारद्वाज धर्मेन्द्र कोरी देवा भाटी सतेन्द्र नागर सुनील भाटी पवन रावल कर्मवीर आर्य दीपक भाटी राज नागर रवि जिन्दल चन्द्रमणि भारद्वाज वरुण धीमान सत्यपाल शर्मा गुरुदेव भाटी अमित पंडित रजनी तोमर विमल पुंडीर इन्द्र नागर सतीश भाटी अर्पित तिवारी महेन्द्र नागर सरफराज अली जितेन्द्र भाटी विजय रावल अजीत मुखिया आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छपरौली गाँव में आयोजित भाकियू बलराज के सम्मान समारोह कार्यक्रम में बोलते यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष हातिम सिंह भाटी।

शारदा अस्पताल में विश्व हृदय दिवस मनाया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेनो के नॉलेज पार्क स्थित शारदा

अस्पताल में स्कूल ऑफ नर्सिंग साइंस एंड रिसर्च ने विश्व हृदय दिवस मनाया गया। हृदय स्वास्थ्य की रक्षा, पोषण और प्राथमिकता देने के सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहन मिलता है। जागरूकता वार्ता, स्वास्थ्य जांच, फिटनेस सत्र, पोस्टर प्रतियोगिताएं और सामुदायिक आउटरीच अभियान जैसी गतिविधियां लोगों को अपने हृदय स्वास्थ्य की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करने और हृदय रोगों के वैश्विक बोझ को कम करने के लिए आयोजित की गई।

शारदा स्कूल ऑफ नर्सिंग साइंस एंड रिसर्च के मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग विभाग की एचओडी किरण शर्मा बताया कि इस बार विश्व हृदय दिवस का विषय एक भी पल न चूकें है। यह विषय हृदय रोगों के कारण होने वाली अपरिहार्य मौतों को रोकने के लिए समय पर कार्रवाई के महत्व पर प्रकाश डालता है, जिसके कारण अक्सर लोग अपने प्रियजनों के साथ बिताए अनमोल पल गंवा देते है। यह निवारक देखभाल तक पहुँच में सुधार, शीघ्र पहचान, शीघ्र उपचार और संतुलित पोषण, शारीरिक गतिविधि, तनाव प्रबंधन और तंबाकू एवं शराब से परहेज जैसी जीवनशैली में बदलाव लाने का आह्वान करता है। हार्ट अटैक की स्थिति में गोल्डन टाइम बहुत महत्वपूर्ण है। ये दिल का दौरा पड़ने के बाद के पहले 60 मिनट होते हैं, जिसमें तत्काल चिकित्सा सहायता प्राप्त करना सबसे महत्वपूर्ण होता है।

हार्ट अटैक-कार्डियक अरेस्ट की स्थिति में लक्षणों की समय पर पहचान कर सीपीआर देने से जान बचने की संभावना 60-70 फीसदी तक बढ़ जाती है। सीपीआर के साथ समय रहते रोगी को आपातकालीन चिकित्सा प्रदान करना भी आवश्यक है। हृदय रोगों के लिए धूम्रपान या शराब के सेवन, व्यायाम की कमी जैसे कारकों को जिम्मेदार माना जाता रहा है, हालांकि तनाव के कारण इसके खतरे पर अक्सर लोगों का ध्यान नहीं जाता है। अनियमित जीवनशैली और बढ़ते तनाव के कारण विदेशों की तुलना में भारत में हृदय रोगों का खतरा काफी अधिक देखा जा रहा है।जीवनशैली में बदलाव, पौष्टिक खान-पान और बढ़ते तनाव के स्तर को नियंत्रित रखने वाले उपाय करके आप इस खतरनाक रोग से बचाव कर सकते हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना संख्या: SRDEE-TRD-IZN-2025-26-T16, दिनांक: 24-09-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली" ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **क्रम सं.-01,** कार्य का नाम: इज्जतनगर मण्डल के KSJ-BC-MLN खण्ड में 04 वर्ष की अवधि के लिये SCADA प्रणाली का व्यापक वार्षिक रखरखाव से संबंधित कार्य। टेंडर रिफरेंश नं.: SRDEE-TRD-IZN-2025-26-T16, कार्य का अनुमानित लागत रूपया में: ₹ 75,27,336/-, अमानत राशि/बिड सिक्यूरिटी: ₹ 1,50,600/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य रूपया में: 0.00, निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय: 17-10-2025, 11:00 बजे, कार्य पूरा करने की अवधि: 48 माह।

- खुली ई-निविदा दिनांक 17-10-2025 को 11:00 बजे तक जमा कर सकेंगे।
- पूर्ण विवरण जानने हेतु एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिये कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी
मुजाधि/विद्युत-145 इज्जतनगर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

उत्तर रेलवे

(ई-नीलामी सूचना)

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/यात्री सेवा, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली द्वारा डीलक्स पे एंड यूज शौचालय BOT,ROMT &MOT के आधार पर अनुबंध लॉटस/साइट्स के आवंटन हेतु ई-नीलामी आईआरईपीएस पोर्टल (http://ireps.gov.in) पर पालम ई-बोली "जैसा है जहां है" के आधार पर निम्नलिखित प्रकार से आमंत्रित की जाती है:-

ई-कैटलॉग संख्या (E-Catalogue No)	ई-नीलामी की तिथि एवं समय	रेलवे स्टेशन/स्थान/पार्किंग लॉट
PaynUse08-2025	दिनांक 13.10.2025 को 12:00 बजे	दिल्ली (DLI)-1, साइट, हजरत निजामुद्दीन (NZM)1, साइट पालम (PM) 1 साइट, पानीपत (PNP) 1 साइट, शिवाजी ब्रिज (CSB) 1 साइट पटेलनगर (PTNR) 1 साइट कुल – 6 साइटस/स्थल।
वेबसाइट विवरण जहां ई-नीलामी दस्तावेज का पूरा विवरण देखा जा सकता		https://ireps.gov.in/
ई-नीलामी में भाग लेने के लिए ठेकेदारों के लिए पूर्वापेक्षाएँ	आईआरईपीएस के ई-नीलामी लीजिंग मॉडयूल के माध्य से आयोजित ई नीलामी में भाग लेने के इच्छुक सभी ठेकेदारों को अपनी बोलियां जमा करने से पहले निम्नलिखित अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करना चाहिए। ई-नीलामी लीजिंग मॉडयूल के लिए आईआरईपीएस पर पंजीकरण ई-नीलामी लीजिंग मॉडयूल के लिए सक्रिय आईआरईपीएस उपयोगकर्ता खाता एक मुश्तपंजीकरण शुल्क का भुगतान भारतीय स्टेट बैंक में चालू खाता आईआरईपीएस खाते के साथ एस बी आई बैंक खाते का एकीकरण फंड का लियन मार्किंग कारोबार का अधतन विवरण जिन ठेकेदारों के पास आईआरईपीएस के किसी भी मॉडयूल के लिए आईआरईपीएस खाता नही है वे आईआरईपीएस होम पेज पर नए विक्रेताओं/ठेकेदारों (ई-निविदा/ई नीलामीलीजिंग) लिंक पर क्लिक करके पंजीकरण के लिए अपना ऑन लाइन अनुरोध प्रस्तुत कर सकते है। ई-ऑक्शन लीजिंग मॉडयलू के लिए अब वर्चुअल अकाउंट नंबर (वीएएन) नामक एक नयातंत्र शुरू किया गया है जिसका उपयोग बोलीदाताओं द्वारा लियन मार्किंग तंत्र के विकल्प के रूप में किया जा सकता है बोली लगाने हेतु प्रवेश करने से पहले किसी भी समय लियन माकिग मैकेनिज्म (यदि सकिय हो) और वैन मैकेनिज्म के बीच स्विच करने के लिए स्वतंत्र है वीएएन तंत्र के लिए बोली लगाने वाले का भारतीय स्टेट बैंक में चालू खाता होना आवश्यक नही है उपयोगकर्ता किसी भी बैंक में अपने किसी भी मौजूदा बैंक खाते से अपने वीएएन खाते में धन स्थानांतरितकरने के लिए स्वतंत्र है जो उनहें आईआरईपीएस ई-नीलामी में भाग लेने में सक्षम बनाता है।	
सम्बंधित जानकारी हेतु रेलवे प्राधिकारी	वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक/पीएस, डीआरएम कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड नई दिल्ली 110055 Email:sanitationcell@gmail.com Tel: 011-23743084	

संख्या 7PUB/TN/Pay&UseToilets/Auction/2022 Dated: 26.09.2025 2993/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

यूपी में निवेश की अपार संभावनाएं : राकेश सचान

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश में निवेश की अपार संभावनाएं हैं और राज्य सरकार निवेशकों को हरसंभव मदद करेगी। यह कहना है उत्तर प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME), खादी, हथकरघा और वस्त्र मंत्री राकेश सचान का। उक्त बातें उन्होंने शुक्रवार को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के दूसरे दिन आयोजित भारत-रूस बिजनेस डायलॉग को संबोधित करते हुए कहीं।

मंत्री राकेश सचान ने रूस के अधिकारियों और कारोबारियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह आयोजन दोनों देशों के कारोबारी रिश्तों को नई ऊंचाई देगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी विजन से भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश निरंतर विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

राकेश सचान ने कहा कि भारत के औद्योगिकीकरण के समर्थन करने के दिनों से आज रणनीतिक साझेदारी तक हमारा सहयोग रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष और अब विभिन्न सेक्टरों तक विकसित हुआ है। हाल के वर्षों में यह साझेदारी और प्रगाढ़ हुई है तथा दोनों देशों के बीच व्यापार नई ऊंचाई पर पहुंच चुका है। भारत ने वर्ष 2025 तक रूस से अपने व्यापार को 30 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य तय किया है। सचान ने विश्वास जताया कि यह लक्ष्य अवश्य हासिल होगा।

मंत्री ने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वस्थ्य क्षेत्र की शक्ति पर विशेष बल दिया था। उत्तर प्रदेश में देश की सबसे अधिक 9 मिलियन MSME इकाइयां कार्यरत हैं, जो राज्य की लगभग 15 प्रतिशत आबादी को रोजगार देती हैं। 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' योजना ने स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच दिलाई है।

भारत-रूस रिश्तों के लिए मील का पत्थर साबित होगा बिजनेस डायलॉग

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में भारत-रूस बिजनेस डायलॉग दोनों देशों के रिश्तों को नई ऊंचाई देने वाला साबित होगा। डायलॉग का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने किया। इस अवसर पर ढ्ढठ्ठ1द्गह्यह्ल क पर आधारित शॉर्ट मूवी भी प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम का संचालन रूस की डेप्युटी हेड ऑफ द इकोनॉमिक डिपार्टमेंट ज्लाटा अंटुशेवा ने किया और स्वागत भाषण डेप्युटी ट्रेड कमिश्नर डॉ. इवगेनी जेंचेंको ने दिया।

डायलॉग में बोलते हुए पैरामाउंट कम्युनिकेशन के एमडी संदीप अग्रवाल ने कहा कि भारत और रूस एक-दूसरे के भरोसेमंद साथी हैं। भारत तेजी से आर्थिक महाशक्ति बन रहा है और पावर, टेलीकॉम, ऊर्जा से लेकर डिफेंस तक दोनों देशों के मजबूत कारोबारी संबंध हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्योग 'कास्ट इफेक्टिव और रिलायबल' है और फार्मास्युटिकल सेक्टर में सहयोग के जरिए नई उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

कारोबारी रिश्ते और अधिक प्रगाढ़ होंगे

रूस की प्रतिनिधि ज्लाटा अंटुशेवा ने कहा कि भविष्य में हमारे कारोबारी रिश्ते और अधिक प्रगाढ़ होंगे। वहीं, डॉ. अजय सहाय ने कहा कि भारत-रूस संबंध केवल ट्रेड तक सीमित नहीं हैं बल्कि मार्केट एक्सेस, शिपिंग रूट और इंश्योरेंस जैसे क्षेत्रों में भी चुनौतियां और अवसर मौजूद हैं। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स के विशाल ढींगरा ने एमएसएमई सेक्टर में सहयोग की उम्मीद जताई। वहीं संगठन के पदाधिकारी विवेक अग्रवाल ने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो भारत-रूस रिश्तों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण आयोजन है। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश अब उत्तम प्रदेश बन चुका है और यहां निवेश की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

प्राइवेट चिकित्सक फाउंडेशन ने मनाया शहीद मेजर आसाराम त्यागी शौर्य वीरता दिवस

नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारतीय प्राइवेट चिकित्सक फाउंडेशन के बैनर तले सनशाइन रेजिडेंसी सेक्टर 71 में शहीद मेजर आसाराम त्यागी शौर्य वीरता पुरस्कार दिवस मनाया गया।

इस कार्यक्रम मे शहीद मेजर आसाराम त्यागी के परिजन उपस्थित रहे और कार्यक्रम संतराम राठी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीआईजी डॉ वेदपाल चपराना एवं वरिष्ठ नेता भाजपा डॉ तेगसिंह द्वारा सभी चिकित्सकों को शौर्य वीरता पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन अखिल भारतीय प्राइवेट चिकित्सक फाउंडेशन के वरिष्ठ महासचिव डॉ जितेंद्र गौड़ ने किया।अखिल भारतीय प्राइवेट चिकित्सक फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक डॉ प्रदीप कुमार उपाध्याय ने उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपने कार्यक्रम मे पहुंचकर इसकी शोभा बढ़ाई है, इसके लिये फाउंडेशन आपका आभार व्यक्त करता है। शहीद मेजर आसाराम त्यागी को नमन करते हुए डॉ उपाध्याय ने कहा हमें उनके पद चिन्हों पर चलकर समाज और राष्ट्रहित मे कार्य करने चाहिये। पर्यावरण पुरुष रूपचंद नागर एवं भारतीय किसान यूनियन भानू के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ठाकुर किरणपाल सिंह, मयंक हिंदू ने मिलकर मेजर आसाराम त्यागी के परिजन जितेंद्र त्यागी को तलवार एवं शौर्य वीरता पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर एसआईएस यूनिवर्सिटी इंडिया हेड डॉ एस एन झा, डीआईओएस डॉ धर्मवीर, किसान नेता मामचंद नागर, सोनिका नागर, एनआईटी कोच अशोक कुमार, डॉ राजेंद्र सिंह, युवा नेता अमित पहलवान, डॉ डी पी नागर, सिंहराज कसाना, अमन नागर, राष्ट्रीय गायक ऋषिपाल, बलराम बैसला, जयवीर प्रधान, वेदराज नागर, इतिहासकार डॉ अशोक, मंडल अध्यक्ष भाजपा मनीष तिवारी, मण्डल कोषाध्यक्ष मनीष चौहान, जिला अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद सतवीर मुखिया, विभाग संयोजक कुटुंब प्रबोधन शशि पाल शर्मा, फाउंडेशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी प्रफुल्ल पांडेय, जन सेवा सामाजिक फाउंडेशन की अध्यक्ष बहन सचिव बहन विमला कोठारी एवं फाउंडेशन के पदाधिकारी और चिकित्सकगण उपस्थित रहे।

प्राधिकरण की खाली जमीन पर भूमाफियाओं की नजर

नोएडा (चेतना मंच)। नागला चरण दास गांव में बारात घर के पास नोएडा प्राधिकरण की खाली पड़ी कई एकड़ जमीन पर भूमाफियाओं की नजर लगी हुई है।

बताते चलें कि नागला चरण दास गांव में स्थित बारात घर के पास नोएडा प्राधिकरण की कई एकड़ जमीन काफी समय से खाली बड़ी हुई है। इस जमीन की कीमत अरबो रुपए में बताई जा रही है। अब इस जमीन को बेचने के लिए भूमिया सक्रिय हो गए हैं। यह भूमाफिया फर्जीवाड़ा कर जमीन को बेचने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अभी तक नगला में प्राधिकरण की जमीन पर कई भूमाफिया अवैध कॉलोनी भी काट चुके हैं यदि समय रहते नोएडा प्राधिकरण ने इस जमीन की घेराबंदी नहीं की तो भूमाफिया इस जमीन को बेचने से बाज नहीं आएंगे। इसमें गांव के साथ-साथ आसपास के गांव के भी कई भूमाफिया एकत्र होकर इस फर्जीवाड़े को अमनी जामा पहनाने का काम में जुटे हुए हैं। ग्रामीणों ने नोएडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं जिलाधिकारी से तत्काल इस जमीन पर घेराबंदी करवाने की मांग करते हुए भूमाफियाओं द्वारा नोएडा प्राधिकरण की जमीन पर हुए कब्जे को कब्जा मुक्त कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में एक भी शमशान घाट नहीं है जिससे ग्रामीणों को काफी सुविधा का सामना करना पड़ता है। अब देखना यह है कि करोड़ों रुपए मूल्य की नोएडा प्राधिकरण की जमीन जो खाली पड़ी है उसे प्राधिकरण बचा पता है या नहीं। यह तो आने वाला समय बताएगा लेकिन यदि प्राधिकरण कार्रवाई नहीं की तो भूमाफिया इस जमीन को भी भेज कर मालामाल हो जाएंगे।

पीएम ने जीएसटी की दरें घटाकर जनता को दी बड़ी सौगात : भाटी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के नेता नवीन भाटी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की तकदीर एवं तस्वीर दोनों बदलने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में रोजगार के साथ-साथ सुरक्षा क्षेत्र एवं अन्य विकास कार्य तेजी के साथ हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जीएसटी में काम करके जनता को एक बड़ा उपहार देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि यश कुमार में आज मेले के उद्घाटन कार्यक्रम में स्टार लगाने वाले व्यापारियों के मन में खुशी का माहौल था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को जिस तरह से आगे बढ़ाया है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए, वह कम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश एवं प्रदेश को चहुमुखी विकास की ओर ले जाने का काम किया है।

पृष्ठ एक के शेष....

'मौलाना भूल गया था .....

कि उत्तर प्रदेश में किसकी सत्ता है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में अंग्रेजों ने पेस्टिसाइड और केमिकल भेजें। शुरू में परिणाम अच्छे रहे, लेकिन बाद में बेहद खराब परिणाम आए। अंग्रेज भारत से 32 ट्रिलियन डॉलर के बराबर सोना लूटकर अपने साथ ले गए। विदेशियों ने भारत को लूटकर अपने आप को समृद्ध किया है। अंग्रेजों ने उद्योग धंधों को समाप्त किया। कौन नहीं जानता भारत टेक्सटाइल का हब था। भारत के पास वो सब कुछ था, जो दुनिया को चाहिए था। दुनिया का पहला विश्व विश्वविद्यालय तक्षशिला भारत ने दुनिया को दिया। दक्ष भगवान राम के अनुज भरत जी के पुत्र थे। पाणिनि जन्म भी वहीं हुआ। वहीं चरक हुए। जिन्होंने आयुर्वेद के ग्रंथ इसी विश्वविद्यालय में रचे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्व त्योहार आने से पहले ही उत्पात शुरू हो जाते थे। अब उत्पातियों को सात पीढ़ियां याद आएंगी। उनकी बुरी आदतों को ठीक करने के लिए डेंटिंग-पेंटिंग करवानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि बरेली में देखा होगा वह मौलाना भूल गया कि शासन किसका है। कहता था, धमकी देंगे कि हम शहर जाम कर देंगे। हमने कहा ना तो जाम होगा ना ही कर्फ्यू लगेगा। बल्कि, ऐसा सबक सिखाएंगे की आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी। 2017 से पहले यही होता था। लेकिन अब हमने ऐसे बैरियर को लागू किया। चुन-चुन करके ऐसे लोगों को सबक सिखाया। वह जिस भाषा में समझना चाहते थे, उस भाषा में उन्हें समझाया।

आई लव मोहम्मद को लेकर बढ़ते विवाद के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपद्रवियों को बेहद कड़ी चेतावनी दी है। कानपुर, उन्नाव, मुरादाबाद, बरेली, मऊ और अन्य जिलों में मुस्लिम समुदाय के उग्र प्रदर्शन व भड़काऊ नारेबाजी की घटनाओं पर नाराजगी जताते हुए पुलिस अधिकारियों को निर्णायक कार्रवाई का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक भी उपद्रवी बचना नहीं चाहिए। दशहरा बुराई व आतंक के दहन का पर्व है। कार्रवाई के लिए किसी और समय की प्रतीक्षा न करें। कार्रवाई का यही समय है, सही समय है। शासन के स्पष्ट आदेशों का फील्ड पर पूरी तरह से पालन कराया जाए।

योगी ने शुक्रवार रात कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक में कहा, उग्र प्रदर्शन और भड़काऊ नारेबाजी प्रदेश का माहौल खराब करने की सुनियोजित साजिश है, जिसे कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऐसे सभी मामलों में तत्काल एफआइआर दर्ज की जाए। आयोजकों व मास्टरमाइंड की पहचान कर उनकी संपत्ति तक की जांच हो। जुलूस व प्रदर्शनों से अराजकता फैलाने वाले उपद्रवियों को सरकार कुचल देगी। इन जुलूसों में शामिल एक भी उपद्रवी बचना नहीं चाहिए। जातीय संघर्ष भड़काने की कोशिशों पर पूरी तरह लगाम लगाई जाए।

योगी ने मेरठ व संभल में एसिड अटैक के अलावा छेड़खानी व चेन लूट की घटनाओं पर भी कड़ी नाराजगी जताई। ऐसी घटनाओं में थाने से लेकर पीआरवी तक की जवाबदेही तय किए जाने का निर्देश दिया। कहा, गरबा-डांडिया में बहरूपियों की घुसपैठ भी रोकें। उन्होंने शारदीय नवरात्र से प्रारंभ मिशन शक्ति 5.0 की प्रगति पर संतोष जताया। महिला अपराधों में त्वरित कार्रवाई व आरोपितों को सजा दिलाने के लिए प्रभावी पैरवी पर जोर दिया। कहा, दशहरे के बाद सभी एडीजी जोन छेड़खानी, चेन स्नेचिंग व एसिड अटैक जैसी घटनाओं की थानावार समीक्षा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

योगी ने कहा कि पर्व-त्योहारों के अवसर पर कतिपय असामाजिक तत्वों को अशांति फैलाने की छूट नहीं दी जाएगी। पुलिस वीडियो फुटेज खंगाले। इंटरनेट मीडिया की मानीटरिंग करे और हर एक उपद्रवी को चिह्नित कर कड़ी कार्रवाई हो। मुख्यमंत्री ने अपराधियों के विरुद्ध जीरो टालरेंस की नीति की बात भी दोहराई। कहा कि हर नागरिक की सुरक्षा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सिगरेट के पैसे देने.....

कि प्रियांशु व जुनैद अभियान व आरिफ आदि आपस में परिचित हैं। सिगरेट पीने के बाद पैसे देने को लेकर दोनों के बीच वाद विवाद हो गया था। वाद विवाद इस कदर बड़ा कि इनमें मारपीट हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में प्रियांशु पुत्र बबलू व जुनैद पुत्र वहीद को गिरफ्तार कर लिया गया है अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

प्राधिकरण की कार्यप्रणाली....

भेज दिए गए हैं, लेकिन उन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। प्राधिकरण की यह कार्यप्रणाली विकास की गति को बाधित कर रही है। उन्होंने ने मुख्य कार्यपालक अधिकारी, नोएडा प्राधिकरण से निवेदन किया है कि आरडब्ल्यूए द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों पर त्वरित और ठोस कार्रवाई की जाए।

बैठक उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि लंबित प्रस्तावों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तब ऐसी स्थिती में फोनरवा द्वारा सेक्टर-6 स्थित नोएडा प्राधिकरण कार्यालय पर धरना दिया जाएगा। इस अवसर पर अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा, महासचिव के के जैन, पवन यादव, विजय भाटी, अशोक कुमार मिश्रा, सुशील यादव, देवेंद्र सिंह, अशोक शर्मा, संजय चौहान, उमाशंकर शर्मा, विनोद शर्मा, देवेन्द्र कुमार, जी एस सचदेवा, एच के गुप्ता,राजेश सिंह, भूषण शर्मा, जी सी शर्मा, संजय शुक्ला, आर के सिंह, रामपाल भाटी, जयपाल सिंह, अमित नागपाल, देवदत्त शर्मा, दिव्य कृष्णत्रय, सुनील वाधवा, दीपक शर्मा, श्याम सिंह यादव,प्रदीप मिश्रा तथा अन्य सदस्य उपस्थित थे।

खेत से रास्ता न देने ...

इनकार कर दिया। जयवीर ने उसकी जाति को लेकर गाली देकर उसे लज्जित करना शुरू कर दिया। इस दौरान उसके बेटे ने गाली गलौज की वीडियो रिकॉर्ड कर ली।

जयवीर ने अपने घर पर फोन कर लड़के बुला लिए कुछ ही देर में चार गाड़ियों में भरकर लड़के लाठी डंडों से लैस होकर उसके खेत पर पहुंच गए। किसी तरह उसने तथा उसके बेटे ने भाग कर अपनी जान बचाई। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ गाली-गलौज मारपीट व एससी एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

बहू को दवाई के....

देवेंद्र तोंगड़ का आरोप है कि आशीष उसके पिता जयप्रकाश ने मिलकर उनकी बेटी को बीमारी की दवाई के बहाने जहर पिला दिया। इस साजिश में उनकी बेटी की सास मीना देवी, जेठानी मछलादेवी व जेठ राजकुमार भी शामिल थे। इस बात की जानकारी मिलने पर वह तुरंत अपनी बेटी के घर पहुंचे और उसे जेवर स्थित कृष्णा अस्पताल में भर्ती कराया इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी का कहना है की शिकायत के आधार पर पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

इलाके में डर फैलाने....

इसी जगह पर उनकी बलेनो कार पर अज्ञात लोगों के द्वारा फायरिंग की गई है। गाड़ी के बोनट पर दो तथा शीशे पर दो गोली लगने के निशान मिले।

राहुल यादव, यश नागर, अभिषेक कसाना उर्फ अनु तथा ऋतिक घटना के बाद मौके से चले गए हैं। मामले की जब गहराई से जांच की गई तो पता चला कि राहुल यादव, विकास यादव, विकल यादव, आशु शर्मा, यश नागर, अभिषेक कसाना उर्फ अनु, ऋतिक उपरोक्त अपराधिक प्रवृत्ति के हैं। आरोपियों पर कई गंभीर मुकदमे भी पंजीकृत हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों ने जनमानस में अपना वर्चस्व भय व्याप्त करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से ताबड़तोड़ फायरिंग की जिससे जनमानस में अफरा तफरी मच गई इसके बाद आरोपियों ने पुलिस को हमले की झूठी सूचना दी। उप निरीक्षक अमित कुमार ने 8 आरोपियों के खिलाफ थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया है। इस मामले में विकास यादव को गिरफ्तार कर अवैध पिस्टल बरामद की गई है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com, raghuvanshirampal365@gmail.com, raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in

www.chetnamanch.com

दनकौर कोतवाली में तैनात दरोगा के लिए कानून कोई मायने नहीं रखता है। पल्सर मोटरसाइकिल पर कोई नंबर प्लेट नहीं है इन्हें कानून से खिलवाड़ करना आता है।

चेतावनी देगा फेसबुक!

प्रसिद्ध सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक अब आपको विशेष फीचर्स देने जा रही है जिसके अंतर्गत यूजर्स को फेसबुक साइबर हमलों की चेतावनी देगी। फेसबुक के एक अधिकारी के ब्लॉग पोस्ट में कहा गया है कि आज से अगर हमें लगेगा कि आपके एकाउंट को किसी नेशन-स्टेट स्पॉन्सर्ड साइबर अटैक यानि किसी देश की सरकार द्वारा प्रायोजित साइबर हमले से हानि होने वाली है तो हम आपको सूचित करेंगे। हम ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इस तरह के हमले दूसरे हमलों से अधिक खतरनाक हैं। इससे प्रभावित हुए लोगों को हम जरूरी कार्यवाही करने व अपने ऑनलाइन एकाउंट्स को सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित करेंगे। आपको बता दें कि इससे पहले गूगल सिक्युरिटी ने भी यूजर्स को स्टेट स्पॉन्सर्ड हैकर्स से बचाव के लिए 2012 में नोटिफाई करना शुरू किया था।

बिना सिम के फोन कॉल!

स्मार्टफोन ऐप टेक्स्ट मी से अब कॉल करने के लिए सिम की जरूरत नहीं होगी। इसके लिए बस आपको यह ऐप डाउनलोड करना है। उसके बाद आप किसी को भी अपना असली नंबर बताएं बिना कॉल अथवा मैसेज कर सकते हैं। इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि आप टेक्स्ट मी अकाउंट से अनेक फोन नंबरों को रख सकते हैं व उन्हें डिलीट भी कर सकते हैं। यह ऐप यूजर द्वारा उपयोग किए जाने वाले नंबर को उसके नाम से कॉल रिसीव करने वाले के फोन पर दिखाता है, जोकि यूरोप अथवा अमरीका के कोड के साथ होता। अपने स्मार्टफोन में टेक्स्ट मी ऐप को डाउनलोड करके यदि आप एक मोबाइल नंबर ही यूज करते हैं तो उसका कोई चार्ज नहीं है। कुछ विज्ञापन देखने की शर्त पर इस ऐप से आप कितने ही नंबरों पर कॉल अथवा एसएमएस कर सकते हैं।

आयुर्वेदिक डायट टिप्स से पाचन क्रिया को करें दुरुस्त

अच्छा स्वास्थ्य अच्छे पाचन तंत्र की देन होता है। हम जो भी खाते हैं, उसे सही रूप से शरीर में पहुंचाने का काम हमारा पाचन तंत्र ही करता है। पाचन तंत्र खाने को एनर्जी के रूप में बदल कर शरीर को पोषण और शक्ति प्रदान करता है और हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है। पाचन तंत्र में गड़बड़ी होने से हम जो भी खाते हैं, उसे सही से पचा नहीं पाते। इसके कारण शरीर को आवश्यक विटामिन और मिनरल नहीं मिल पाते और शरीर में हानिकारक तत्व बढ़ने लगते हैं। और हमारा इम्यून सिस्टम भी धीरे-धीरे काम करना बंद कर देता है। लेकिन हम कई बार हम स्वाद-स्वाद में बहुत ज्यादा खा लेते हैं। उस समय तो हमें पता नहीं चलता, लेकिन बाद में पछताना पड़ता है। जब हमारा पेट इस खाने को हजम नहीं कर पाता तो हमें अपच, एसिडिटी, कब्ज जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं से गुजरना पड़ता है। पाचन तंत्र अपनी तय की गई समय सीमा के अनुसार चलती है और इस समय सीमा के कारण हमें दिन के अलग-अलग पहर में भूख लगती है। खाने के बाद हमारा पचान तंत्र अपना काम करना आरंभ करता है तथा जैसे ही उनका काम खत्म होता है वह अगली क्रिया प्रारंभ करने के लिए मस्तिष्क को संकेत भेजता है। अगर इस प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हो जाये तो इससे पाचन क्रिया में बाधा उत्पन्न होने लगती हैं। लेकिन घबराइए नहीं क्योंकि आयुर्वेदिक चिकित्सा से आप अपनी पाचनक्रिया को तीन दिन में फिर से दुरुस्त कर सकते हैं। आयुर्वेदिक डाइट टिप्स हमारे पाचन तंत्र को ठीक करके उसे पहले की तरह कार्यशील बना देती है।

पहला दिन: पाचन तंत्र को ठीक करने के लिए आप पहले दिन अपने दिन की शुरुआत नाश्ते से करें, और सुबह उठने के थोड़ी देर बाद कम से कम दो गिलास पानी लें। और उठने के 1 से 2 घंटे के बाद नाश्ता कर लें। फिर दोपहर में खाना खाए। लेकिन ध्यान रहें कि खाने में चटपटी चीजों को शामिल न करें। और रात का खाना सोने से 2 घंटे पहले खा लेना चाहिए। और रात के खाने के लगभग आधे घंटे के बाद 2 गिलास गुनगुना पानी लें। पहले दिन आपका सुबह का नाश्ता और दोपहर का खाना सामान्य होना चाहिए और रात को जरूरत के हिसाब से खाए, यानी रात का खाना हैवी नहीं होना चाहिए।

दूसरा दिन: दूसरे दिन पाचनक्रिया को फिर से नियमित करने के लिए आपको इसकी गति को धीमा करना होगा। इसलिए दूसरे दिन आप खाना कम और लिक्विट चीजें ज्यादा लें। इसके लिए आप पूरे दिन में 3 से 4 गिलास जूस लें और हल्का खाना जैसे दाल और खिचड़ी ही लें। पानी और नींबू पानी का अधिक सेवन करें, क्योंकि यह पाचन क्रिया को दुरुस्त रखने में मदद करती है। इस दौरान अपना मन शांत रखें और साथ ही सुबह-शाम वॉकिंग भी करें।

तीसरा दिन: आयुर्वेदिक डाइट टिप्स के अंतिम दिन में आपको अपनी पाचनक्रिया को सामान्य कार्यशीलता पर वापस भेजना होता है। इसलिए उठने के 1-2 घंटे के बाद नाश्ता कर लें क्योंकि उठने के बाद ज्यादा देर खाली पेट रहने से भी पाचन क्रिया को नुकसान होता है। और फिर दोपहर का खाना खाएं। दोपहर के खाने के बाद सीधे रात का खाना खाएं। नाश्ते से लेकर दोपहर के खाने तक व दोपहर के खाने से लेकर डिनर के बीच कुछ ना खाएं। डिनर को सोने से 2 घंटे पहले खा लें। और ध्यान रहें डिनर की मात्रा दोपहर के खाने से कम होनी चाहिए। ऐसा तीन दिन करने से आपकी पाचनक्रिया अपनी सामान्य गति पर पहुंच जाती है। यह क्रिया आपको स्वयं भूख का अहसास कराएगी।

बालों के लिए ग्लिसरीन के फायदे

नारी सौंदर्य पर रची गई शायरी हो या कविता-कहानियां, बिना उसके बालों की खूबसूरती का व्याख्यान किए पूरी नहीं होती। और भला ऐसा हो भी क्यों नहीं, काले, घने व लहराते बाल महिलाओं की खूबसूरती में चार चांद जो लगा देते हैं। मगर बालों को खूबसूरत बनाये रखना आसान काम नहीं। लेकिन, कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें अपना कर आप अपने बालों को खूबसूरत बना सकती हैं। एक ऐसी ही चीज है ग्लिसरीन। जी, वही ग्लिसरीन जो फिल्मी कलाकार आंखों से नकली आंसू निकालने के लिए इस्तेमाल करते हैं। ग्लिसरीन और बालग्लिसरीन एक प्राकृतिक, गाढ़ा तथा रंगहीन तरल है, जो नमी को आकर्षित करता है। यह अधिकांश सौंदर्य उत्पादों में प्रयोग किया जाता है। ग्लिसरीन का उपयोग स्वस्थ, चमकदार और बालों के स्वस्थ विकास के लिए किया जा सकता है। ग्लिसरीन का सिर पर ठीक प्रकार से प्रयोग करने से बालों को बढ़ने में मदद मिलती है। ग्लिसरीन को बालों की देखभाल के लिये कैसे इस्तेमाल किया जाए इसके लिये निम्न कुछ सुझावों पर गौर फरमाएं -

कर्ली (घुंघराले) बालों के लिए: स्प्रे- भले ही कर्ली बाल देखने में बड़े ही अच्छे लगते हों, लेकिन इसका यह मतलब नहीं होता कि आप इनकी बिल्कुल भी देखरेख न रखें। बल्कि घुंघराले बालों को तो देखभाल की ज्यादा जरूरत होती है। घुंघराले बाल काफी रुखे से नजर आते हैं, इसलिए अगर उन्हें थोड़ा नरम करना है तो उस पर ग्लिसरीन लगाऐं।

बाल धोने के लिए ग्लिसरीन: बाल धोने में ग्लिसरीन का उपयोग करने के लिए, बराबर-बराबर भाग में पानी और ग्लिसरीन का मिश्रण बना कर रख लें। उतना ही मिश्रण बनाए जितने से आपके बाल ठीक तरह से धुल जाएं। अधिक बना कर न रखें। आप सामान्य रूप से कंडीशनिंग और बाल धोने के बाद नम बालों पर इस मिश्रण को लगाएं। उंगलियों की सहायता से इस मिश्रण को सिर की त्वचा पर लगाऐं। कोशिश करें कि खुश्क जगहों पर यह मिश्रण ठीक प्रकार से लग जाए। अब पांच से छह मिनट तक रुकें और फिर हल्के गुनगुने पानी से धो दें। बेहतर नतीजों के लिए इसे हफ्ते में तीन से चार बार इस्तेमाल करें।

डेंड्रफ दूर करने के लिए ग्लिसरीन: बालों की समस्या आजकल आम है, खुश्की से हर दूसरा व्यक्ति परेशान रहता है। इसके लिए आप दो-तीन बातों को ध्यान में रखकर इस समस्या से निदन पा सकती हैं। हेयर ड्रायर का प्रयोग यथासंभव कम कर दें। बालों में डेंड्रफ होने से बाल बेजान हो जाते है, गिरने लगते हैं और सिर में खुजली भी रहती है।

बालों में लगातार डेंड्रफ बने रहने से परेशान लोग कई तरह के एंटी डेंड्रफ शैम्पू का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन शैंपू, तेल आदि से डेंड्रफ तब तक ही दूर रहता है जब तक कि इन उत्पादकों का उपयोग किया जाता है लेकिन इनका उपयोग बंद करने के बाद डेंड्रफ वापस आ जाता है। इससे निजात पाने के लिए ग्लिसरीन और गुलाब जल का एक तीन के अनुपात में मिश्रण बना कर एक शीशी में रख लें। नहाने के बाद रोज थोड़ा हथेली पर लेकर बालों की जड़ों में उंगलियों की मदद से लगाएं। इससे डेंड्रफ चला जाता है।

ग्लिसरीन स्प्रे: यदि आप ग्लिसरीन से बालों को धोना नहीं चाहते हैं तो आप इसका मिश्रण बना कर स्प्रे की तरह भी उपयोग कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए एक चौथाई कप कैमोमाइल चाय, एक चम्मच के शहद, तीन चम्मच ग्लिसरीन, दो चम्मच वनस्पति तेल और रोजमेरी (दौनी) तेल की छः बूंदों को अच्छे से मिलायें और एक स्प्रे बोतल में कर लें। (यदि आप सूरज की रोशनी में निकल रहे हैं और अपने बालों को अधिक चमकदार बनाना चाहती हैं तो इस मिश्रण में दो चम्मच नींबू का रस मिला लें)। हर बार उपयोग से पहले इसे अच्छे से हिला लें। इस ग्लिसरीन के स्प्रे को नहाने के बाद अपने बालों पर छिड़कें। यह स्प्रे दो हफ्तों तक चलता है।

ग्लीसरिन आफ्टरशेव: ड्राइ स्किन वाले पुरुषों के लिए ग्लिसरीन आफ्टरशेव बहुत फायदेमंद है। इसे बनाने के लिए आधा कप ग्लिसरीन लें उसमें दो चम्मच एलोवेरा जेल व दो चम्मच गुलाब जल मिलाएं। इसे एयरटाइट बोतल में भर लें। और शेव करने के बाद आफ्टर शेव की तरह उपयोग करें।

8 तरीकों से रखें अपनी आंखों को स्वस्थ व चमकदार

आंखें ईश्वर का दिया सबसे अनमोल उपहार है, क्योंकि इसके द्वारा हम दुनिया की हर वह चीज देख सकते हैं, जो हम देखना चाहते हैं। इसलिए आंखों की देखभाल करना हमारा फर्ज है। कभी-कभी हम आंखों के प्रति जरा लापरवाही बरतते हैं, जो इस नाजुक अंग के लिए सही नहीं है।

आंखों की सफाई: नियमित तौर पर आंखों की सफाई करने से आप कई समस्याओं को उनसे दूर रख सकते हैं। इसके लिए दिन में दो से तीन बार आंखों को ठंडे पानी से धो लें, ताकि आंखों की गर्मी और हानिकारक तत्व बाहर निकल जाए।

धूप से बचाव : धूप में निकलने के पहले सन ग्लास लगाकर निकलें तो आंखों के लिए बेहतर रहेगा। तेज धूप में आंखों पर दबाव पड़ता है और आंखें कमजोर हो सकती हैं। यही कारण है कि कुछ लोगों की आंखें तेज धूप में निकलने व दर्द करने लगती हैं।

गंदगी से बचाव : धूप ही नहीं धूल और हवा में मौजूद हानिकारक कण आंखों में जाकर, दर्द, जलन पैदा करते हैं और आंखे लाल हो जाती हैं। कार्बन के आंखों में जाने से देखने की क्षमता भी कमजोर होती है, और धुंधला दिखाई देने लगता है।

भरपूर नींद लें: दिनभर आपके साथ-साथ आपकी आंखें भी जागती हैं। ऐसे में उन्हें भी आराम की जरूरत होती है। पर्याप्त मात्रा में नींद लेना, आंखों को आराम देता है। इसके अलावा यह आंखों के आसपास सूजन की समस्या को भी दूर करता है और काले घेरे भी।

टीवी, कंप्यूटर से दूरी : टीवी या कंप्यूटर स्क्रीन से हमेशा पर्याप्त दूरी बनाए रखना, आंखों के लिए बेहतर होगा। इसके अलावा समय-समय पर ऐसे काम से ब्रेक लेते रहें जो आपको दिनभर कंप्यूटर या लैपटॉप पर करना होता है। इनसे निकलने वाली किरणें आपकी आंखों को नुकसान पहुंचा सकती है। अधिक समय तक व अंधेरे में टीवी देखना आंखों पर सीधा प्रभाव डालता है।

मेडिसिन या कॉस्मेटिक : आंखों की थकान व परेशानियों के लिए डॉक्टर से परामर्श कर समय-समय पर आई ड्रॉप डालते रहें। काले घेरे व सूजन से बचने के लिए सोते समय आंखों के आसपास अंडर आई क्रीम या आई जैल लगाएं।

आई मसाज : आंखों को रिलैक्स करने का सबसे बेहतर तरीका है, आंखों के चारों ओर नारियल या बादाम के तेल से मसाज करें। ध्यान रहे कि यह मसाज हल्के हाथों से ही की जाए। इन दो तेलों के अलावा आप विटामिन-ई युक्त तेल भी प्रयोग कर सकते हैं।

मेकअप करें साफ : आंखों के आसपास का मेकअप साफ करना कभी न भूलें। यह त्वचा बहुत कोमल और संवेदनशील होती है। इसलिए इस पर केमिकल युक्त कॉस्मेटिक अधिक समय तक लगा न रहे। इसके अलावा स्क्रब करते वक्त ध्यान रखें कि आंखों के आसपास गलती से भी स्क्रब न करें।

बीमारियों को दूर करते हैं पपीते के बीज

पपीता स्वस्थ गुणों से भरपूर होता है। इसके स्वास्थ्य लाभ से हर कोई परिचित हैं, परन्तु पपीते के बीज के अनूठे स्वास्थ्य लाभ के विषय शायद ही कोई जानता हो बहुत सारे लोग यह नहीं जानते कि पपीते के बीज भी खाने-योग्य होते हैं और इसके अनेक स्वास्थ्य लाभ हैं । पपीते के बीज को उपयोग में लाने का सबसे बढ़ीया तरीका इन्हें सुखाकर फिर पीस कर, किसी कंटेनर में भविष्य में प्रयोग हेतु रखना है। पपीते के बीज के बहुत प्रकार के लाभ है। पपीते के बीज प्रदाहनाशी एवं ऐंटीबैक्टीरियल होने के कारण पाचन तंत्र, गुर्दा एवं जिगर के स्वास्थ्य हेतु उत्तम माने जाते हैं। यह बात तो हर कोई जानता है कि पपीता हमारी सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है लेकिन यह बात शायद कोई-कोई ही शख्स जानता है कि पपीते केबीज भी हमारे लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। पपीते के बीज को उपयोग में लाने का सबसे बढ़ीया तरीका इन्हें सुखाकर फिर पीस कर, किसी कंटेनर में भविष्य में प्रयोग हेतु रखना है। पपीते के बीज के बहुत प्रकार के लाभ है। पपीते के बीज प्रदाहनाशी एवं ऐंटीबैक्टीरियल होने के कारण पाचन तंत्र, गुर्दा एवं जिगर के स्वास्थ्य हेतु उत्तम माने जाते हैं। इस आर्टिकल को पढने के बाद आप निश्चित रूप से पपीते के बीज को संभाल कर रखेंगे।

पपीते के बीजों का फायदा

लीवर सिरोसिस का उपचार: पपीते के बीज सूत्रण रोग का प्राकृतिक उपचार है। नींबू के रस के साथ पपीते के बीज का लगातार 2 महीने सेवन करने से सूत्रण रोग ठीक हो जाता है।

वायरल इंफैक्शन: पपीते के बीज विषाणुरोधी होने के कारण छोटे-मोटे वायरल इंफैक्शन को आसानी से ठीक कर देते हैं।

. कैंसर : इसके बीजों में मौजूद घटक कैंसर और एवं ट्यूमर जैसी बीमारियों के विकास को रोक देते हैं। पपीते के बीज मलाशय, लयूकेमिया,पौरुष ग्रंथि और कैंसर-उपचार में सक्षम हैं।

किडनी : गुर्दे की बीमारियों के उपचार में भी पपीते के बीज का प्रयोग किया जाता है। यह गुर्दे की कार्यप्रणाली को बाधित होने से रोकने में समर्थ हैं।

गठिया रोग में लाभदायक: पपीते के बीज के प्रदाह्नाशक गुण गठिया एवं जोड़ों के बीमारियों के उपचार के लिए भी अति उत्तम माने जाते हैं।

कॅरियर के लिए अपार संभावनाएं मौजूद

लॉजिस्टिक में छिपे भविष्य के लिए नए अवसर

आज की तारीख में लॉजिस्टिक्स दुनिया भर के सर्वाधिक महत्वपूर्ण कॅरियर विकल्पों में से एक है। भारत में तो यह विशेष रूप से तीव्र विकास कर रहा है। यदि विभिन्न संसाधनों की आपूर्ति तथा वितरण व्यविस्थत ढंग से नहीं होती तो दुनियाभर का सामाजिक एवं आर्थिक ढांचा अस्त-व्यस्त हो सकता है। हर कंपनी लॉजिस्टिक्स का प्रयोग करती है फिर चाहे वहां एक फुल-टाइम लॉजिस्टिक्स मैनेजर की नियुक्ति न भी की गई हो। भारत में लॉजिस्टिक इंडस्ट्री का मूल्य 130 अरब से अधिक आंका गया है। ऐसे में अगर आप में देश-विदेश से जुड़े ग्राहकों से व्यवहार करने का कौशल है, अगर आपका सम्प्रेषण कौशल (कम्युनिकेशन स्किल्स) में अच्छे हैं और आप मेहनत में यकीन करते हैं तो लॉजिस्टिक्स सेक्टर में एक बेहतरीन कॅरियर आपकी ही प्रतीक्षा कर रहा है।

अपॉर्चुनिटीज...

इन दिनों इस फील्ड में अनगिनत संभावनाएं मौजूद हैं। इस तरह रोजगार के लिए युवाओं के पास कई प्रकार के विकल्प खुले रहते हैं। खास बात है कि ई-कॉमर्स के क्षेत्र में आई तेजी ने लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में संभावनाएं और बढ़ा दी हैं। ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियां प्रोडक्ट बुकिंग तो ऑनलाइन करती हैं, लेकिन उत्पादों की सही पैकिंग से लेकर ग्राहकों तक उसकी सुरक्षित आपूर्ति की सारी जिम्मेदारी लॉजिस्टिक्स का काम करने वालों के कंधों पर ही होती है।

क्वालिफिकेशन...

इस क्षेत्र के लिए अंडरग्रैजुएट और पोस्ट ग्रैजुएट दोनों प्रकार के कोर्स मौजूद हैं। अंडरग्रैजुएट कोर्स 3 वर्षीय और पीजी कोर्स 4 महीने से 2 वर्ष तक होता है। 10वीं कक्षा के बाद भी यह कोर्स किया जा सकता है। ज्यादातर कोर्स दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से किए जाते हैं। लॉजिस्टिक मैनेजमेंट में एमबीए कोर्स 2 वर्ष का फुलटाइम कोर्स है।

वर्किंग एरिया...

एक लॉजिस्टिक्स मैनेजर का काम किसी भी कारोबार या संगठन के कामकाज के लिए आवश्यक सामग्री व कच्चे माल की आपूर्ति के साथ शुरू होता है। विभिन्न सामग्री की आपूर्ति तथा निर्मित होने वाले उत्पादों या सेवाओं को उनकी मांग के अनुसार उनकी मंजिलों तक पहुंचाने यानि उपयुक्त वितरण जैसे कार्यों में तालमेल बैठाना उनका ही काम होता है। उदाहरण के लिए जर्मन कारें, यूरोपीय स्ट्रॉबेरी, अमेरिकन चॉकलेट, दक्षिण अफ्रीकी शराब, फिर दुनिया भर से फैशनेबल चीजें जैसी देश-विदेश की हर चीज आज अपने देश के स्टोर्स में भी सरलता से मिल जाती हैं। इतना ही नहीं, ये सभी चीजें दुनियाभर के दूर-दराज के इलाकों में भी आसानी से मिल जाती हैं तो यह सब लॉजिस्टिक और सप्लाई चेन मैनेजमैंट से ही संभव हो पाता है।

पोटैशियम के कम सेवन से भी हाई ब्लडप्रेशर

उच्च रक्तचाप के लिए ज्यादा नमक ही जिम्मेदार नहीं, बल्कि कम मात्रा में पोटैशियम का सेवन भी आपको इसका मरीज बना सकता है। एक नए शोध में यह खुलासा हुआ है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि आहार में अधिक पोटैशियम ग्रहण करने वाली किशोरियों में बाद में रक्त चाप कम पाया गया।

सोडियम की मात्रा कम करने पर बल देना जरूरी नहीं

बोस्टन विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ मेडिसिन के लीन मूरे ने कहा कि इसके विपरीत, रक्तचाप पर अकेले सोडियम का कोई प्रभाव नहीं दिखाई पड़ा, जिसके कारण वैश्विक स्तर पर बच्चों तथा किशोरों के आहार में सोडियम की मात्रा कम करने की जरूरत पर बल देने की जरूरत नहीं।

...तो नहीं पड़ता प्रतिकूल प्रभाव

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जो किशोरियां प्रतिदिन तीन हजार मिलीग्राम नमक का सेवन करती हैं, उनके रक्तचाप पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता, जबकि जो किशोरियां प्रतिदिन 2,400 मिलीग्राम या उससे अधिक पोटैशियम का सेवन करती हैं, तो बाद में उनका रक्त चाप कम होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) लोगों को दो हजार मिलीग्राम से अधिक सोडियम का सेवन नहीं करने की सलाह देता है। शोधकर्ताओं ने किशोरावस्था के अंत में आहार में सोडियम व पोटैशियम का रक्तचाप पर दीर्घावधि तक प्रभाव का अध्ययन किया।

रेसिपी

मनचाऊ सूप

सामग्री

व्हेजिटेबल स्टॉक के लिए: 1/2 कप कटी हुई पत्तागोभी, 1/2 कप कटा हुआ गाजर, 1/4 कप कटा हुआ अजमोद, 2 टेबल-स्पून कटी हुई हरी प्याज, 3 से 4 फूलगोभी के फूल, 4 कप वेजिटेबल स्टॉक, 2 टेबल-स्पून तेल, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ अदरक, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 2 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई पत्तागोभी, 2 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई फूलगोभी, 2 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई शिमला मिर्च, 2 टेबल-स्पून बारीक कटे हुए गाजर, 2 टेबल-स्पून बारीक कटे हुए टमाटर, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ पुदिना, 1/2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 2 टेबल-स्पून कोर्नफ्लॉर , 1/2 कप पानी के घोला हुआ, नमक स्वादअनुसार

विधि

एक कढ़ाई में 6 कपा पनी उबालें, सभी सब्जीयां डालकर मध्यम आंच पर 15-20 मिनट के लिए उबाल लें। सब्जीयों को बर्तन के नीचे जमने दें और स्टॉक निकाल लें। सब्जीयां निकालकर एक तरफ रख दें। एक वॉक या कढ़ाई में तेज आंच पर तेल गरम करें और धुंआ निकलने दें। लहसुन, अदरक और हरी मिर्च डालकर तेज आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। पत्तागोभी, फूलगोभी, शिमला मिर्च, गाजर डालकर तेज आंच पर 1-2 मिनट तक भुन लें। टमाटर, पुदिना, हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिला लें और तेज आँच पर 1 मिनट तक भुन लें। व्हेजिटेबल स्टॉक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, तेज आंच पर 2-3 मिनट तक पका लें। नमक, सोया सॉस डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, तेज आंच पर और 2 मिनट तक पका लें। तैयार कोर्नफ्लॉर-पानी का मिश्रण डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, तेज आँच डर 2-3 मिनट तक पका लें। काली मिर्च पाउडर डालकर अच्छी तरह मिला लें। तले हुए नूडल्स् से सजाकर तुरंत परोसें।

मूंग दाल एंड पनीर पराठा

सामग्री

1/2 कप रागी का आटा, 1/2 कप हरी मूंग दाल , भिगोकर पकाई हुई, 1/4 कप चूरा किया हुआ पनीर, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, एक चुटकी हल्दी पाउडर, नमक स्वादअनुसार, रागी का आटा , बेलने के लिए, तेल, पकाने के लिए

विधि

सभी समाग्री को एक गहरे बाउल में मिलाकर, जरुरत हो उतने पानी का प्रयोग कर, हल्का नरम आटा गूंथ लें। आटे को 6 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को, थोड़े सूखे रागी के आटे का प्रयोग कर, 100 मिमी (4) व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और प्रत्येक पराठे को थोड़े तेल का प्रयोग कर, दोनो तरफ सुनहरे दाग पड़ने तक पका लें।

शरीर पर 8 बर्थ मार्क्स पिछले जन्म का राज खोलते हैं? जानिए इसके बारे में

शरीर पर जन्म चिन्ह का पिछले जन्म से संबंध! माना जाता है कि गर्दन के पास अगर कोई खास चिन्ह या बर्थमार्क हो, तो इसका मतलब व्यक्ति पिछले जन्म में एक संत, योगी और आध्यात्मिक गुरु था। दरअसल गर्दन को स्थिरता और नेतृत्व से जोड़कर देखा जाता है। सीने के ऊपरी हिस्से पर अगर किसी भी तरह का बर्थमार्क हो, तो इसका मतलब पिछले जन्म अपने किसी की भावनाओं को चोट पहुंचाई है। कांधे पर बर्थमार्क होने का मतलब है कि, पिछले जन्म में आपने किसी की जिम्मेदारी उठाई थी। क्योंकि कंधा जिम्मेदारी और संघर्ष का प्रतीक होता है। कमर या रीढ़ की हड्डी के नीचे किसी भी तरह का बर्थमार्क होने का मतलब पिछले जन्म में किसी को पीठ पीछे धोखा दिया था।

हाथ के ऊपर बर्थमार्क होने का मतलब आप पिछले जन्म में एक कर्मयोगी थे। क्योंकि हाथ का संबंध कर्म से होता है। पांव के नीचे किसी भी तरह का बर्थमार्क होने का मतलब आप पिछले जन्म में सफर में थे या भटक रहे थे। माथा के नीचे बर्थमार्क होने का मतलब आप पिछले जन्म एक ज्योतिषी या तंत्र-मंत्र से जुड़े हुए व्यक्ति थे। ऐसा इसलिए क्योंकि माथे का संबंध ज्ञान, बुद्धि और भविष्य से संबंध रखता है। आंखों के पास किसी भी तरह का बर्थमार्क होने का मतलब आप पिछले जन्म में काफी भावनात्मक किस्म के व्यक्ति थे या फिर पिछले जन्म में आप काफी रोए थे।

नवरात्रि में व्रत न रखने पर भी मां दुर्गा को प्रसन्न करने के ये 7 आसान और प्रभावशाली उपाय अपनाएं

शारदीय नवरात्रि का त्योहार भक्ति और उत्साह का प्रतीक है। हर साल लोग मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा करते हैं और व्रत रखकर उनकी कृपा पाने की कोशिश करते हैं, लेकिन कई बार लोगों की व्यस्तता, स्वास्थ्य या अन्य कारणों से वे पूरे नौ दिनों का व्रत नहीं रख पाते, अगर आप भी इनमें से हैं, तो चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। मां दुर्गा हमेशा अपने भक्तों की भक्ति और श्रद्धा को महत्व देती हैं। छोटे-छोटे सरल उपाय अपनाकर भी आप उनकी विशेष कृपा पा सकते हैं। नवरात्रि में व्रत ना रखने वालों के लिए आसान और प्रभावी उपाय, जिनको अपनाकर आपके घर और जीवन में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी।

नवरात्रि में अपनाने योग्य आसान उपाय

1 रोजाना पूजा और फूल अर्पित करना

नवरात्रि के दिनों में देवी की नियमित पूजा करना शुभ माना जाता है। हर दिन गुड़हल का फूल मां दुर्गा को अर्पित करें। इससे मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और घर में सुख-शांति बनी रहती है।

2 पान का बीड़ा अर्पित करें

माना जाता है कि नवरात्रि के दौरान पान का बीड़ा देवी को अर्पित करने से मां की विशेष कृपा प्राप्त होती है। यह उपाय कार्यों में बाधाओं को दूर करने और मनोकामनाओं की पूर्ति में मदद करता है।

3 लाल रंग के आसन पर पूजा

पूजा के समय लाल ऊनी आसन पर बैठें और देवी का स्मरण करें। इससे मानसिक ऊर्जा बढ़ती है और जीवन में सकारात्मकता बनी रहती है।

4 दान करना

नवरात्रि में लाल चीजों का दान, पीतल की घंटी, अन्न, वस्त्र या धन का दान करना शुभ माना जाता है। इससे घर में सुख-समृद्धि आती है और भाग्य मजबूत होता है।

5 दुर्गा चालीसा का पाठ

नवरात्रि में दुर्गा चालीसा का नियमित पाठ करने से मानसिक शांति मिलती है। यह उपाय रोगों और कर्ज जैसी परेशानियों से भी राहत दिलाता है।

6 मंत्र जाप

मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए "ॐ ह्रीं दुं दुर्गायै नमः" या "सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके, शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणि नमोस्तुते" मंत्र का जाप करें। आप चाहें तो देवी के नामों का स्मरण भी कर सकते हैं।

7 सकारात्मक सोच और भक्ति

मां दुर्गा की कृपा पाने का सबसे सरल तरीका है सच्ची भक्ति और सकारात्मक सोच। पूरे दिन में कुछ समय देवी के नाम का स्मरण करें और उनके प्रति श्रद्धा रखें।

पूजा करते समय आसन का प्रयोग क्यों करना चाहिए?

जानिए धार्मिक महत्व और नियम

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ करने के कई नियम बताए गए हैं, अगर इन नियमों का पालन ना किया जाए तो पूजा को अधूरा माना जाता है या तो पूजा का फल नहीं मिलता। हमारे शास्त्रों में कुछ नियम बताए गए हैं जिनका पालन करना आवश्यक माना गया है। जैसे पूजा करते समय सिर को ढंककर रखना, साफ और शुद्ध कपड़े पहनना, दिशा का ध्यान रखना और सबसे जरूरी आसन पर बैठकर पूजा करना। कई बार लोग बिना आसन के ही पूजा करने लगते है, जिसे धार्मिक दृष्टि से अशुभ माना जाता है।

धार्मिक मान्यताएं

शास्त्र के नियमों के अनुसार साधक जहां पर भी बैठकर पूजा कर रहा हो, मंदिर का स्थान उससे ऊंचा रहना चाहिए। मगर कई बार लोग मंदिर को थोड़ा ऊपर बना लेते हैं, वरना जगह न होने की वजह से दीवार पर मंदिर को सेट कर देते हैं। जिसकी वजह से उन्हें खड़े होकर पूजा करनी पड़ती है। मगर यह करने से उचित फल नहीं मिलता और इसे शास्त्रीय नियमों के खिलाफ भी माना जाता है।

पूजा करते समय इन नियमों का करें पालन

पूजा करते समय आसन का इस्तेमाल करें।

पूजा करते समय ये ध्यान रखें की आसन का कपड़ा साफ और शुद्ध हो।

पूजा में बैठते वक्त आपका मुख हमेशा पूर्व दिशा में होना चाहिए।

आसन के दाहिने ओर घंटी, धूप, अगरबत्ती और दीप होने चाहिए।

वहीं बायीं ओर पूजा की सामग्री जैसे फल, फूल, जल का पात्र और शंख होने चाहिए।

आसन पर बैठकर पूजा करनी क्यों जरूरी

धार्मिक ग्रंथों में बताया गया है कि, पूजा करते समय भक्त और भगवान के बीच संवाद का क्षण होता है। जिस वजह से मन और शरीर स्थिर रहने चाहिए और आसन पर बैठने से स्थिरता बनी रहती है।

पहले के समय में भी ऋषि-मुनियों ध्यान करने के लिए विशेष आसनों का ही प्रयोग करते थे। इसलिए इन नियमों का पालन करने से साधक को अच्छा फल मिलता और पूजा भी शास्त्रीय रूप से सार्थक मानी जायेगी।

सूर्य आज करेंगे हस्त नक्षत्र में प्रवेश

संभलकर रहें ये 3 राशियों वाले, हो सकती है आर्थिक हानि

सूर्य ग्रह 27 सितंबर को उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र से निकलकर चंद्रमा के स्वामित्व वाले हस्त नक्षत्र में प्रवेश कर जाएंगे। सूर्य का नक्षत्र परिवर्तन करना सभी राशियों पर कुछ न कुछ प्रभाव डालेगा। राशिचक्र की कुछ ऐसी राशियां भी हैं जिनके लिए सूर्य का नक्षत्र परिवर्तन करना नकारात्मक साबित हो सकता है। इन राशियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है और करियर क्षेत्र में भी परेशानियां आ सकती हैं, आइए जान लेते हैं कौन सी हैं ये राशियां।

मेष राशि

सूर्य के नक्षत्र परिवर्तन करने के बाद आपके विरोधी सक्रिय हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में होने वाली राजनीति से आपको बचना चाहिए नहीं तो विपरीत परिस्थिति में फंस सकते हैं। इस राशि वालों को सूर्य के नक्षत्र परिवर्तन करने के बाद धन से जुड़े फैसले सोच-समझकर लेने चाहिए। गलत संगति में पड़कर आपके धन का नुकसान हो सकता है। इस राशि के लोगों को किसी भी ऐसे कार्य में हिस्सा नहीं लेना चाहिए जिसमें कानूनी नियमों का उल्लंघन हो। उपाय के तौर पर सूर्य ग्रह के मंत्रों का जप आपको करना चाहिए।

तुला राशि

तुला राशि के लोगों को सूर्य के गोचर के दौरान पैसों से जुड़ी परेशानियां आ सकती हैं। आपकी जमापूंजी गलत वजह से खर्च हो सकती है। इसलिए आपको सही बजट बनाकर आगे बढ़ना चाहिए। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं उनको मेहनत बढ़ाने की जरूरत होगी। वाहन चलाते समय भी आपको सावधानी बरतनी होगी। सिर में दर्द और गले से संबंधित परेशानियां आपको हो सकती हैं, इसलिए सेहत का ख्याल रखें। उपाय के तौर पर आपको गुड़, चना आदि का दान करना चाहिए।

कुंभ राशि

सूर्य के नक्षत्र परिवर्तन के बाद आप कुछ मामलों को लेकर उलझ सकते हैं। खासकर करियर से जुड़ा कोई मामला आपको परेशान कर सकता है। जॉब बदलने का विचार बना रहे हैं तो सोच-समझकर आगे बढ़ें। धन की स्थिति में सुधार करने के भी आपको प्रयास करने होंगे। बिना सलाह लिए निवेश करना नुकसानदायक साबित हो सकता है। अनजाना भय आपको परेशान करेगा। कुंभ राशि के जातकों को उपाय के तौर पर योग-ध्यान करना चाहिए और हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

चमोली का गांव द्रोणागिरि

जहां हनुमान जी की पूजा नहीं होती है? जानिए इसका कारण

उत्तराखंड को देवभूमि यानी देवों की भूमि भी कहा जाता है। यहां बड़े ऋषि-महर्षियों ने पहाड़ों और जंगलों में घोर तपस्या और यज्ञ किए हैं। यहां तक की चार धामों में से एक धाम भी उत्तराखंड की धरती पर स्थित है। जहां हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन-पूजन के लिए आते हैं। उत्तराखंड में कदम-कदम पर देवी-देवताओं के छोटे से लेकर बड़े मंदिर देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में देवभूमि उत्तराखंड में एक गांव ऐसा भी है, जहां हनुमान जी की पूजा करना तो दूर, उनका नाम लेना भी पसंद नहीं किया जाता है।

जी हां अपने बिल्कुल सही पढ़ा है। आज हम उसी गांव के बारे में आपको बताने जा रहे हैं और इसके पीछे क्या कारण है? जानेंगे।

उत्तराखंड के इस गांव में हनुमान जी की पूजा वर्जित

उत्तराखंड के चमोली जिले में पहाड़ों के बीच स्थित गांव जिसका नाम द्रोणागिरि है, इस गांव में हनुमान जी की पूजा नहीं की जाती है। ये परंपरा सदियों से चली आ रही है। दरअसल इसके पीछे एक पौराणिक कथा है। इस कथा के अनुसार रामायण काल में रावण के पुत्र मेघनाद ने जब ब्रह्म अस्त्र का इस्तेमाल कर लक्ष्मण जी को मूर्छित कर दिया था, तब इस घटना से राम जी काफी ज्यादा आहत हुए थे। ऐसे में रावण के भाई विभीषण के कहने पर हनुमान जी लंका से सुसैन वैद्य को अपने साथ लेकर आते हैं। जिसके बाद सुसैन वैद्य हनुमान जी को लक्ष्मण जी के लिए संजीवनी बूटी लाने को कहते हैं। बिना देरी किए हनुमान जी संजीवनी बूटी लाने के लिए द्रोणागिरि पर्वत की ओर निकल पड़ते हैं। लेकिन वहां पहुंचने के बाद हनुमान जी संजीवनी बूटी की पहचान नहीं कर पाते हैं, तब वह अपने साथ पूरा का पूरा पर्वत ही लंका ले जाते हैं। द्रोणागिरि गांव के लोगों के मुताबिक हनुमान जी संजीवनी बूटी को बिना ग्राम देवी की अनुमति के ले गए थे, जिससे गांव के लोग काफी ज्यादा नाराज हुए और उनसे सभी तरह के नाते-रिश्ते तोड़ लिए। हालांकि सबसे हैरान कर देने वाला वाक्या रामनवमी के दिन देखने को मिलता है, जहां द्रोणागिरि गांव के लोग धूमधाम से रामनवमी का पर्व मनाते हैं, लेकिन हनुमान जी की पूजा-अर्चना और नाम लेना तक पसंद नहीं करते हैं।

जून महीने में होता है द्रोणागिरी उत्सव

हर साल जून माह में द्रोणागिरि पर्वत पर धूमधाम से उत्सव किया जाता है। दरअसल यहां के स्थानीय लोग द्रोणागिरि पर्वत को भगवान की तरह पूजते हैं।

द्रोणागिरी कैसे जाएं

द्रोणागिरि गांव जाने के लिए सबसे पहले हरिद्वार, ऋषिकेश या देहरादून पहुंचे और फिर वहां से आप जोशीमठ के लिए बस या टैक्सी भी कर सकते हैं। इसके बाद आप जुम्मा गांव तक जाने के लिए गाड़ी कर लीजिए। इसके बाद आपको 8 किलोमीटर की ट्रैकिंग के जरिए द्रोणागिरि गांव पहुंच जाएंगे।

पलामू का चमत्कारी मंदिर

नि:संतान दंपतियों को दर्शन से मिलता है पुत्र का आशीर्वाद

झारखंड के पलामू जिले के बंदुआ गांव में स्थित माता मंगला गौरी मंदिर आस्था और चमत्कार का केंद्र माना जाता है। यहां विवाहिता जोड़े संतान प्राप्ति और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए विशेष रूप से आते हैं। यहां मांगी हुई हर मुराद पूरी होती है। झारखंड का यह मंदिर इकलौता मंगला गौरी मंदिर है। जिसकी स्थापना तांत्रिक राम दत्त मिश्र ने सैकड़ों वर्ष पूर्व तंत्र-मंत्र विधि से की थी। तभी से यह स्थान भक्तों की आस्था और विश्वास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। यहां सैकड़ों वर्षों से पूजा अर्चना होते आ रही है। यहां सच्चे मन से पूजा करने पर हर मनोकामना पूरी होती है।

भूत को सिर पर लगाने से रोग दूर हो जाते हैं और संतानहीन दंपति यहां पूजा करने पर संतान सुख प्राप्त करते हैं। श्रद्धालु मंदिर में नारियल और चुनरी अर्पित करते हैं। 1980 के बाद से यहां श्रद्धालुओं का विश्वास लगातार बढ़ा है। बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश से बड़ी संख्या में भक्त यहां दर्शन के लिए आते हैं। यहां शिव स्थल है। इसके साथ मंदिर में एक तालाब भी है। पुजारी ने आगे बताया कि बिहार के गया बाद, झारखंड के पलामू जिले में ही मंगला गौरी माता का मंदिर है। यहां केवल हिंदू ही नहीं बल्कि मुस्लिम, सिख, ईसाई और अन्य धर्मों के लोग भी अपनी मन्नत लेकर आते हैं। मां के दरबार से कोई खाली हाथ नहीं लौटता। मंदिर का दरबार सुबह 4 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक खुलता है। संतान प्राप्ति के बाद श्रद्धालु यहां छठ पर्व भी मनाते हैं।

इसके साथ यहां कई बीमारियों के लिए भी श्रद्धालु पहुंचते है। मेदिनीनगर निवासी बिट्टू जैन ने बताया कि तीन साल तक संतान न होने के बाद, मंगला गौरी मंदिर में पूजा करने से उन्हें संतान सुख मिला। वहीं, गढ़वा जिले के नरसिंह साव ने कहा कि शादी के 8 वर्ष बाद उन्हें यहां पूजा करने से संतान प्राप्त हुई है। मंदिर के पुजारी डॉ। अजय मिश्र ने आगे कहा कि यहां आने वाले श्रद्धालु अपने कई बीमारी के इलाज करकर जाते हैं। मान्यता है कि मां के भभूत लगाकर गंभीर बीमारी से छुटकारा मिलता है। इसके साथ अपनी मनोकामना भी पूर्ण होती है।

भगवान शिव और देवी पार्वती की कथा की सीख

बुद्धिमानी केवल उत्तर देने में नहीं है, सही समय पर सही प्रश्न पूछने में भी है

प्रजापति दक्ष के यज्ञ कुंड में देवी सती ने योग अग्नि से देह त्याग दी थी। इसके बाद भगवान शिव तप में लीन हो गए थे। काफी समय पर देवी ने हिमालयराज के यहां पार्वती के रूप में अवतार लिया। पार्वती शिव जी को पति रूप में पाना चाहती थीं, इसके लिए देवी कठोर तप कर रही थीं। उस समय भगवान शिव भी तप में लीन थे। शिव संसार से पूरी तरह विरक्त हो चुके थे। वे न संबंधों में थे, न समाज में, केवल अपनी साधना में डूबे हुए थे। एक दिन हिमालयराज अपनी पुत्री पार्वती के साथ शिव जी के पास पहुंचे। पार्वती का मन शिव को पति रूप में स्वीकार चुका था, और हिमालय राज भी यही चाहते थे। शिव जी तो गहन तपस्या में थे, वे किसी भी सांसारिक बंधन को स्वीकारने को तैयार नहीं थे।

हिमालय राज ने भगवान शिव जी प्रार्थना की कि हे प्रभु, आप एकांत में तप कर रहे हैं, यहां आपको सेवा करने वाला कोई नहीं है। यदि आप अनुमति दें तो मेरी पुत्री पार्वती आपकी सेवा करना चाहती है। शिव जी ने स्पष्ट कहा कि स्त्री-संग से विषयों की उत्पत्ति होती है। इससे वैराग्य डगमगाने लगता है, तप बाधित होता है। मैं एकांत चाहता हूं, क्षमा करें। ये बात सुनकर देवी पार्वती ने बहुत ही मौलिक प्रश्न पूछा- जब आप स्वयं तप में लीन हैं, तो आपको ये कैसे ज्ञात होता है कि मैं स्त्री हूं और आप पुरुष? ये प्रश्न सुनते ही शिव जी सोच-विचार करने लगे। ये केवल एक स्त्री का नहीं, एक ज्ञानी आत्मा का प्रश्न था। शिव जी ने स्वीकार किया कि हम दोनों ही अपने-अपने स्थान पर सही हैं। इसके बाद भगवान शिव ने कहा कि देवी पार्वती सीमित समय तक मेरी सेवा कर सकती हैं और फिर लौट जाएंगी।

प्रसंग की सीख

मर्यादा हर रिश्ते में जरूरी है- चाहे वह अध्यात्म हो या व्यक्तिगत रिश्ता, यदि अपनी सीमाएं स्पष्ट हों तो कोई भी रिश्ता बिगड़ता नहीं है। रिश्तों में मर्यादा बनाए रखनी चाहिए, एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए।

एकांत में आत्मनियंत्रण सर्वोपरि है - जब हम एकांत में होते हैं, विशेषकर विपरीत लिंग के साथ, तो मन की चंचलता को नियंत्रण में रखना अत्यंत आवश्यक है। ऐसा समय ही आत्मसंयम की असली परीक्षा होता है। एकांत में मन की पवित्रता बनाए रखनी चाहिए, गलत विचारों से बचना चाहिए।

बुद्धिमानी केवल उत्तर देने में नहीं, सही समय पर सही प्रश्न पूछने में भी है - पार्वती ने जिस तरह भगवान शिव से प्रश्न किया, वह दर्शाता है कि बुद्धिमानी सिर्फ उत्तर देने में नहीं है, बल्कि सही समय पर सही प्रश्न पूछने में है। बुद्धिमान व्यक्ति ही सही समय पर सही प्रश्न पूछ सकता है।

व्यवहार में संतुलन जरूरी है - भगवान शिव ने हिमालयराज की बात को न तो पूर्ण अस्वीकार किया और न ही भावनाओं में बहकर कोई निर्णय लिया, उन्होंने एक संयमित मध्यम मार्ग चुना। शिव जी ने देवी को समय-समय पर सेवा करने की अनुमति दी। हमें भी जहां तो हो सके सोच-विचार कर सही रास्ता चुनना चाहिए, तभी जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

संयम, मर्यादा और संतुलन बनाए रखें- ये तीन स्तंभ हैं जो हमें आत्म-विकास की ओर ले जाते हैं। चाहे संबंधों का प्रबंधन हो या आत्मबोध की यात्रा, शिव और पार्वती की ये कथा हमें संयमित रहने का संदेश देती है।

शाहरुख-गौरी के खिलाफ वानखेड़े की याचिका पर हाईकोर्ट ने उठाए सवाल, आर्यन खान की सीरीज से जुड़ा है केस

दिल्ली उच्च न्यायालय ने एनसीबी के पूर्व जोनल निदेशक समीर वानखेड़े से मानहानी के उनके मुकदमे की याचिका की स्वीकार्यता पर सवाल किए हैं। समीर वानखेड़े ने शाहरुख और उनकी पत्नी गौरी खान के मालिकाना हक वाली रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और नेटफ्लिक्स के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। उनका आरोप है कि इन कंपनियों ने अपनी सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में कथित तौर पर उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई है।

अदालत ने दिया संशोधन का समय

न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने वानखेड़े के वकील से पूछा कि दिल्ली में यह याचिका कैसे स्वीकार्य है। इसके जवाब में वानखेड़े के वकील अधिवक्ता संदीप सेठी ने कहा कि वेब सीरीज दिल्ली सहित सभी शहरों के लिए है और अधिकारी को यहां बदनाम किया गया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह अपनी याचिका में संशोधन करेंगे। इसके बाद अदालत ने उन्हें दोबारा से सही आवेदन दायर करने के लिए समय दिया, जिसके बाद ही वह मामले की सुनवाई करेगी।

याचिका में लगाए गंभीर आरोप

मानहानि का आरोप लगाते हुए अपने मुकदमे में समीर वानखेड़े ने रेड चिलीज, नेटफ्लिक्स और अन्य के खिलाफ स्थायी और अनिवार्य राहत निषेधाज्ञा, घोषणा और हर्जाने के रूप में राहत मांगी है। उन्होंने यह भी कहा है कि वह आर्यन खान के निर्देशन में बने पहले शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में एक झूठे, दुर्भावनापूर्ण और मानहानि करने वाले वीडियो से वह आहत हैं। याचिका में दावा किया गया है कि यह सीरीज नशीली दवाओं के खिलाफ प्रवर्तन एजेंसियों को गलत व अपमानजनक तरीके से दिखाती है।

साथ ही यह सीरीज जानबूझकर समीर वानखेड़े की प्रतिष्ठा को गलत तरीके से खराब करने के इरादे से तैयार की गई है। खासकर तब जब उनसे और आर्यन खान से जुड़ी कार्यवाही बॉम्बे हाईकोर्ट और मुंबई के एनडीपीएस विशेष न्यायालय में चल रही है।

कैंसर रोगियों के इलाज के लिए मांगा 2 करोड़ का हर्जाना

इसके अलावा भी समीर वानखेड़े ने 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' पर कई अन्य आरोप लगाए हैं। क्योंकि यह अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री के उपयोग करके राष्ट्रीय भावनाओं को ठेस पहुंचाती है। अपने मुकदमे में समीर वानखेड़े ने कैंसर रोगियों के इलाज के लिए टाटा मेमोरियल कैंसर अस्पताल को दान करने के लिए 2 करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा है।

बिग बी का नाम अमिताभ नहीं 'इंकलाब' होता, भाई अजिताभ ने बताया 'बच्चन' सरनेम से जुड़ा किस्सा

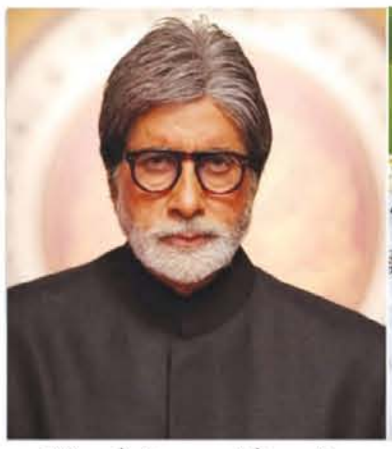

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ के छोटे भाई अजिताभ बच्चन ने कई रोचक पहलुओं का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि बिग बी का पहले कुछ और नाम होने वाला था, जिसे बाद में बदल दिया गया था। इतना ही नहीं उन्होंने बच्चन उपनाम रखने के पीछे का रहस्य भी बताया है। पढ़िए पूरी खबर।

इस नाम से जाने जाते बिग बी

हाल ही में अजिताभ बच्चन आरजे सचिन के साथ एक बातचीत में शामिल हुए, जहां उन्होंने अपने सरनेम और बिग बी के नाम का इतिहास बताया। उन्होंने कहा, 'मेरा भाई मुझसे पांच साल बड़ा था और मेरे पिता उसका नाम 'इंकलाब' रखना चाहते थे, क्योंकि वे आजादी के लिए संघर्ष कर रहा थे। मेरा नाम 'आजाद' रखा गया, क्योंकि मेरा जन्म आजाद भारत में हुआ था।' उन्होंने आगे बताया कि उनकी बेटी, जो एक चित्रकार है, उसने इंकलाब और आजाद के चित्र बनाए हैं।

कैसे पड़ा बच्चन सरनेम?

अजिताभ बच्चन ने बताया कि उनके पिता, प्रख्यात कवि हरिवंश राय बच्चन ने जानबूझकर मूल उपनाम 'श्रीवास्तव' को हटाकर 'बच्चन' कर दिया था, क्योंकि वो जाति व्यवस्था के पक्ष में नहीं थे। अजिताभ ने आगे कहा कि यह सरनेम सबसे पहले उनके पिता जी का मां ने उन्हें दिया था। उन्होंने कहा, वह उन्हें बच्चनवा किधर है? कहकर बुलाती थीं, फिर उन्होंने इसे अपने लेखन नाम के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। फिर बाद में यह सरनेम बच्चन खानदान की पहचान बन गई।

अमिताभ बच्चन का वर्कफ्रंट

अमिताभ बच्चन 82 वर्ष की आयु में भी इंडस्ट्री में बेहद सक्रिय हैं। अभिनेता के करियर वर्कफ्रंट की बात करें तो वो नितेश तिवारी की 'रामायण' में जटायु के रोल में नजर आएंगे। उनकी इस भूमिका को देखने के लिए दर्शक काफी उत्साहित हैं। यह फिल्म साल 2026 में दीवाली पर रिलीज होगी।

नेशनल अवॉर्ड जीतने पर कमल हासन ने दी नन्ही त्रिशा को शाबाशी, कहा- तुमने मेरा रिकॉर्ड तोड़ डाला

हाल ही में 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में साल 2023 में आई फिल्म 'नाल 2' के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने वाली त्रिशा थोसर को कमल हासन ने बधाई दी है। उन्होंने इस बात पर खुशी जताते हुए त्रिशा को शाबाशी दी है कि इस नन्ही अदाकारा ने उनका रिकॉर्ड तोड़ दिया है। कमल हासन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर खुशी जताई है।

कमल हासन बोले- 'बहुत बढ़िया मैडम'

कमल हासन ने अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने लिखा है, "प्यारी त्रिशा थोसर मेरी तरफ से खूब बधाई आपको। आपने मेरा रिकॉर्ड तोड़ दिया है, क्योंकि जब मुझे अपना पहला पुरस्कार मिला था, तब मैं छह साल का था। बहुत बढ़िया मैडम। अपनी बेमिसाल प्रतिभा पर काम करती रहिए। घर के बड़ों को मेरी तरफ से बहुत-बहुत बधाई'।

कमल हासन ने त्रिशा से फोन पर की बात

इसके अलावा राज कमल फिल्म्स के एक्स अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। इसमें कमल हासन नन्ही त्रिशा को उनकी सफलता पर बधाई देते हुए उनके आगामी प्रोजेक्ट्स पर सवाल करते हैं। त्रिशा बड़ी मासूमियत से कमल हासन को जवाब देती हैं और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त करती हैं।

त्रिशा ने चार साल की उम्र में जीता पुरस्कार

पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, 'कमल हासन ने अपना पहला नेशनल अवॉर्ड छह वर्ष की आयु में जीता था। वहीं, त्रिशा ने चार साल की उम्र में यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड अपने नाम कर लिया है'। बता दें कि 'नाल 2' मराठी फिल्म है।

मौत से दो दिन पहले काजोल के पिता ने सलमान से की थी ये डिमांड, अभिनेता ने किया खुलासा

काजोल और ट्विंकल खन्ना के बहुचर्चित शो 'टू मच' की शुरुआत 25 सितंबर से हो गई। इस शो में सबसे पहले मेहमान के तौर पर आमिर और सलमान खान शामिल हुए और दोनों ने खुलकर अपने विचार प्रकट किए। हालांकि बातचीत के दौरान सबसे भावुक पल तब आया जब सलमान ने काजोल के पिता और फिल्म निर्माता शोमू मुखर्जी के साथ अपने रिश्ते को याद किया, जिनका 2008 में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। चलिए जानते हैं पूरी बात।

काजोल के पिता के करीबी थे सलमान खान

सलमान खान ने बातचीत में काजोल के दिवंगत पिता और फिल्म निर्माता शोमू मुखर्जी संग अपने संबंधों पर बात की। उन्होंने कहा, 'काजोल के पिता और हम बहुत करीब थे, बहुत करीब। वह हफ्ते में लगभग दो बार घर आते थे। दरअसल, अपने निधन से ठीक दो दिन पहले, वह आए थे। वह उस दिन हमेशा की तरह अपनी लुंगी पहने हुए आए थे। हालांकि वह बहुत मुश्किल दौर से गुजर रहे थे और उनकी तबियत ठीक नहीं थी।'

आखिरी बातचीत को किया याद

सलमान ने काजोल के पिता संग अपनी आखिरी बातचीत के बारे में बताया, जो कई साल तक उनके यादों में रहीं। अभिनेता ने कहा, 'उन्होंने कहा, 'यार, एक ड्रिंक पिला' मैंने जवाब दिया, "नहीं, शोमू दा, मैं..." लेकिन उन्होंने जिद की, "मैं कुछ दिनों में जा रहा हूं। एक मेरे को पिला दे।' मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं। उन्होंने फिर कहा, 'पिला यार।' तो मैंने उनके लिए एक ड्रिंक बनाई और दो दिन बाद, उनकी मौत हो गई।' पिता के बारे में इस बात को सुनकर शो होस्ट काजोल भावुक हो गईं।

सलमान खान का वर्कफ्रंट

सलमान खान की फिल्मों की बात करें, तो उन्हें आखिरी बार 'सिकंदर' में देखा गया था। वहीं उनकी आगामी फिल्मों की बात करें, तो उन्हें 'बैटल ऑफ गलवां' में देखा जाएगा। वहीं इस वक्त अभिनेता बिग बॉस 19 शो को होस्ट कर रहे।

करीना कपूर खान ने गुलजार से मुलाकात की दिग्गज गीतकार के साथ तस्वीरें साझा कीं

गीतकार गुलजार की बेटी और निर्देशक मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इसकी पहले दिन की शूटिंग से जुड़ा वीडियो करीना ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया और फिल्म से जुड़ी जानकारी साझा की है। इसके बाद गुलजार के साथ कुछ तस्वीरें भी एक अन्य इंस्टाग्राम पोस्ट पर करीना ने शेयर की हैं। इन तस्वीरों को फैंस ने भी काफी पसंद किया है।

करीना ने गुलजार साहब संग मुलाकात को खास बताया

करीना ने गुलजार साहब संग कई तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीरें में वह गुलजार साहब का हाथ थामे खड़ी हैं। अन्य तस्वीरें में गुलजार, मेघना संग करीना मुस्कुराती दिख रही हैं। अपनी पोस्ट के साथ एक कैप्शन भी वह लिखती हैं, 'गुलजार साहब से मिलना हुआ, चलो मेरे लिए सब कुछ हो गया।' साथ ही वह लिखती हैं, 'किताबों (गुलजार साहब की लिखी) के लिए एक दिल।'

यूजर ने भी दिए रिएक्शन

करीना कपूर की पोस्ट पर यूजर ने भी रिएक्शन दिए हैं। गुलजार साहब के लिए हार्ट इमोजी बनाए हैं। एक यूजर लिखता है, 'दो लीजेंड एक फ्रेम में।' एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'बहुत ब्यूटीफुल पिक्स।' कई यूजर ने तो लिखा कि उन्हें फिल्म 'दायरा' का इंतजार है।

'दायरा' में ये पॉपुलर साउथ एक्टर भी आएगा नजर

मेघना गुलजार निर्देशित फिल्म 'दायरा' में करीना कपूर के अलावा साउथ एक्टर पृथ्वीराज सुकुमारन भी लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म को लेकर करीना कपूर भी काफी एक्साइटेड हैं। वह मेघना संग काम करके काफी खुश हैं। इस बात को अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में भी साझा कर चुकी हैं।

खत्म हुआ फैंस का इंतजार, 'अवतार 3' की जादुई दुनिया ला रहे है जेम्स कैमरून

जेम्स कैमरून एक बार फिर अपने दर्शकों को उस जादुई और रहस्यमयी दुनिया में ले जा रहे हैं जिसने साल 2009 से अब तक सिनेमा के इतिहास में कई रिकॉर्ड तोड़े हैं। 'अवतारः फायर एंड ऐश' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है और इसके साथ ही पैंडोरा की धरती पर संघर्ष

बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदें

साल 2022 में आई 'अवतारः द वे ऑफ वॉटर' ने दुनिया भर में लगभग 2.3 अरब डॉलर यानी करीब 19,090 करोड़ रुपये की कमाई की थी और ऑस्कर में बेस्ट विजुअल इफेक्ट्स का अवॉर्ड जीता। जबकि 2009 की

की लपटें और तेज होती दिख रही हैं।

फिल्म के ट्रेलर में क्या दिखा?

इस बार कहानी और गहरी है और दर्द भी ज्यादा नजर आ रहा है। सुली परिवार अपने बड़े बेटे नेतेयाम की मौत का गम झेल रहा है। परिवार के इस दर्द के बीच पैंडोरा पर एक नई चुनौती खड़ी होती है—ऐश पीपल नाम की नई नावी जनजाति। इस जनजाति की अगुवाई वरांग कर रही हैं, जिसका किरदार ऊना चैपलिन निभा रही हैं। ये समूह बेहद आक्रामक है और पैंडोरा पर एक नई तरह का तनाव पैदा करता है।

फिल्म का निर्देशन

फिल्म का निर्देशन और लेखन जेम्स कैमरून ने रिक जाफा और अमांडा सिल्वर के साथ मिलकर किया है। इसमें जोश फ्रीडमैन और शेन सालनों ने भी कहानी को आकार दिया है। दर्शकों को एक बार फिर जेक सुली और नेयतिरी की जोड़ी देखने को मिलेगी, जिनकी भूमिकाओं में सैम वर्थिंगटन और जोई सलदाना हैं। इस बार सिर्फ विजुअल्स ही नहीं, बल्कि भावनाएं भी ज्यादा तीव्र होंगी। नेतेयाम की मौत से टूटा हुआ सुली परिवार और पैंडोरा पर बढ़ता तनाव- यही फिल्म की थीम बताई जा रही है।

अवतार आज भी 2.9 अरब डॉलर से ज्यादा की कमाई के साथ दुनिया की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी हुई है। इस लिहाज से 'अवतारः फायर एंड ऐश' से उम्मीदें और भी ज्यादा बढ़ गई हैं।

फिल्म की स्टार कास्ट

फिल्म में पुराने चेहरे तो हैं ही, साथ ही कुछ नए किरदार भी कहानी में गहराई जोड़ते दिखेंगे। इसमें सिगॉर्नी वीवर, स्टीफन लैंग, क्लिफ कर्टिस, जोएल डेविड मूर, एडि फाल्को, डेविड थियोलिस, जेमेन क्लेमेंट, जियोवानी रिबिसी, ब्रिटेन डाल्टन, जैमी फ्लैटर्स, ट्रिनिटी जो-ली ब्लिस, जैक चैम्पियन और यहां तक कि केट विंसलेट तक नजर आने वाली हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

20वीं सेंचुरी स्टूडियोज फिल्म की रिलीज से पहले 3 अक्टूबर को 'अवतारः द वे ऑफ वॉटर' को एक हफ्ते के लिए 3D में दोबारा सिनेमाघरों में ला रही है। वहीं कैमरून ने चौथे और पांचवें पार्ट की भी तैयारी कर ली है। अवतार 4 साल 2029 और अवतार 5 साल 2031 में रिलीज किए जाने का लक्ष्य है। अवतारः फायर एंड ऐश 19 दिसंबर को रिलीज होगी।

लंदन से आता है तान्या मित्तल के लिए बिस्किट? 'बिग बॉस 19' कंटेस्टेंट्स के सामने किया खुलासा

ग्वालियर की रहने वाली तान्या मित्तल जब से रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' में आई है, तब से चर्चा में हैं। वह 'बिग बॉस' हाउस में अपने बड़े-बड़े दावों के कारण मशहूर हो चुकी हैं। कई बार तान्या की अमीरी का बखान सुनकर बाकी प्रतियोगी हंसने लगते हैं। हाल ही में तान्या मित्तल ने दावा किया कि उनका कॉफी पीने रूटीन बड़ा शाही है।

कॉफी पीने ग्वालियर से आगरा जाती है तान्या मित्तल

हाल ही में 'बिग बॉस 19' की प्रतियोगी नीलम गिरी ने तान्या से उसका कॉफी रूटीन पूछा? इस पर तान्या ने कहा, 'यहां तो लोगों को कुछ नहीं पता, मैं बहुत डाउन टू अर्थ होने का नाटक करती हूं। कॉफी पीने पता है मैं कहां जाती हूं? ग्वालियर से जाऊंगी आगरा, आगरा से कॉफी खरीद के पीती नहीं हूं, वो कॉफी ठंडी होनी चाहिए। तो एक आइस बॉक्स के साथ चलती हूं। कॉफी उसमें राखी जात है और फिर मैं ताज महल की तरफ जाती हूं। ताजमहल के पीछे एक गार्डन है, उस गार्डन में जो बेंच है, वहां बैठकर कॉफी पीती हूं।'

पहले भी कर चुकीं तान्या बड़े-बड़े दावे

यह पहली बार नहीं है जब तान्या मित्तल ने अपने शाही दावों से सबका ध्यान खींचा है। इससे पहले तान्या कहा था कि उनके पास 150 बॉडीगार्ड हैं। ग्वालियर वाले घर में सिर्फ कपड़ों के लिए एक पूरी मंजिल है। उन्होंने बिग बॉस के सफर के लिए 800 साड़ियां भी खरीदी थीं। वह पानी भी सिर्फ चांदी की बोतल से पीती हैं।

प्रतियोगी बनाते हैं इंफ्लुएंसर की बातों का मजाक

रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' के बाकी प्रतियोगी जब तान्या की बातें सुनते हैं तो वे उसकी बातों को मजाक में लेते हैं। ऑडियंस को भी तान्या की बातों पर यकीन नहीं होता है। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों का दावा है कि तान्या केवल दिखावा कर रहीं हैं।

आशुतोष गोवारिकर ने भी शाहरुख को नेशनल अवॉर्ड जीतने पर दी बधाई, कहा-हमारा सफर काफी शानदार रहा

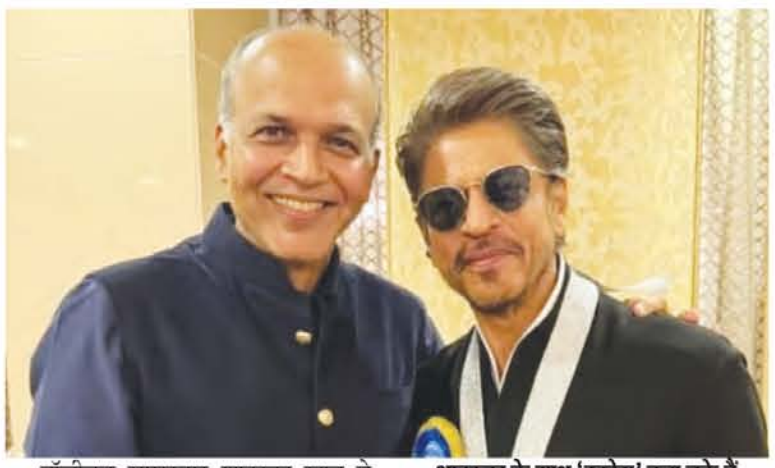

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने जबसे 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का अवॉर्ड अपने नाम किया है, लोग लगातार उन्हें बधाइयां दे रहे हैं।

अब इसी क्रम में शाहरुख की फिल्म 'स्वदेस' के निर्देशक आशुतोष गोवारिकर ने भी शाहरुख को बधाई दी है। आशुतोष गोवारिकर ने शाहरुख के लिए एक इमोशनल नोट भी लिखा है। आशुतोष गोवारिकर 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के निर्णायक मंडल में भी शामिल थे।

निर्देशक ने लिखा खास संदेश

निर्देशक ने शाहरुख के साथ नेशनल अवॉर्ड जीतने के बाद की एक तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में दोनों कैमरे की ओर पोज देते हुए मुस्करा रहे हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए आशुतोष ने लिखा, 'हमारा सफर काफी शानदार रहा है। हर कोई अपना रास्ता खुद बना रहा है। आज इस प्रतिष्ठित मंच पर, जो हमारे देश का सर्वोच्च पुरस्कार है, आपके अद्भुत कौशल का सम्मान करने के लिए हम एक साथ आ गए हैं। बधाई हो शाहरुख।'

शाहरुख के साथ 'स्वदेस' बना चुके हैं आशुतोष

आशुतोष गोवारिकर ने साल 2004 में शाहरुख खान को लेकर 'स्वदेस' फिल्म बनाई थी। उस वक्त ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तो सफल नहीं रही थी। लेकिन समीक्षकों ने फिल्म की काफी तारीफ की थी। हालांकि, अब इस फिल्म को हिंदी सिनेमा की कल्ट फिल्मों में गिना जाता है। इस फिल्म के लिए भी बेस्ट सिंगर और सिनेमैटोग्राफी का नेशनल अवॉर्ड मिला था। 'स्वदेस' को शाहरुख के करियर की सबसे उम्दा फिल्मों में से एक माना जाता है और इसके लिए उनके अभिनय की भी तारीफ होती है।

शाहरुख के करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड

71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में शाहरुख खान के साथ विक्रांत मैसी को भी सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला है। वहीं रानी मुखर्जी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला है। शाहरुख को ये अवॉर्ड 2023 में आई उनकी फिल्म 'जवान' के लिए मिला है। यह शाहरुख के करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड है।

राष्ट्रीय संकल्प है आत्मनिर्भर का नारा : वाई.पी. सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा नोएडा महानगर कार्यालय, सेक्टर-116 में भाजपा जिला अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में 'आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान' के अंतर्गत जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता वाई.पी. सिंह (अध्यक्ष, यूपी सिडको एवं राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त) ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत केवल एक नारा नहीं बल्कि एक राष्ट्रीय संकल्प है।

स्थानीय उत्पादों के उपयोग से हम न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देंगे बल्कि युवाओं को रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर भी प्रदान करेंगे। आत्मनिर्भर भारत अभियान से स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा और विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता घटेगी।

भाजपा नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने कहा कि यह अभियान हर नागरिक को 'वोकल फॉर लोकल' बनाकर देश को आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करेगा। नोएडा जिले का हर कार्यकर्ता इस दिशा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएगा।

इस कार्यशाला में भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने आत्मनिर्भर भारत के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने और इसे जनांदोलन का स्वरूप देने का संकल्प लिया।

कार्यशाला में पूर्व विधायक श्रीमती विमला बाथम, विनोद त्यागी, चंदगीराम यादव, अमित त्यागी, डिंपल आनंद, गणेश जाटव, उमेश त्यागी, प्रमोद बहल, दीनबंधु, गौतम शर्मा, नीरज चौधरी, प्रदीप चौहान, मनीष तिवारी, रामकिशन यादव, सत्यनारायण महावर, गिरीश कोटनाला, राजकुमार झा, प्रज्ञा पाठक, अशोक मिश्रा, बबलू यादव, अर्पित मिश्रा, राम मेहर कौशिक, कल्लू सिंह, मुक्तानंद शर्मा, घनश्याम यादव, मलकेश्वर झा, उमेश पहलवान, राजीव उपाध्याय, अमित नागपाल, इंद्राज खटाना, मोनिका श्रीवास्तव, नेहा, नीतू त्यागी, अरुण चौहान इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेक्टर-12 नोएडा स्टेडियम में चल रही श्री सनातन धर्म मंदिर रामलीला की समूचे शहर में धूमधाम से निकाली गई राम बारात।

जगन्नाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष बनने पर स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। जगन्नाथ मंदिर समिति का अध्यक्ष प्रमोद भल को बनाए जाने पर भाजपा जिला कार्यालय पर स्वागत किया।

नोएडा महानगर के अध्यक्ष महेश चौहान ने उनको और उनकी टीम को शुभकामनाएँ दी इस दौरान विनोद त्यागी विनोद शर्मा धर्मेंद्र गुप्ता अमित त्यागीं नोएडा महानगर के महामंत्री डिंपल आनंदी चंडीग्राम यादव जी उमेश त्यागी गणेश जाटव मनोज चौहान भूपेश चौधरी जी जिले के टीम ने बधाई दिया।

बजरंग रामलीला संचालिका समिति

स्वयंवर व राम-विवाह का मंचन

नोएडा (चेतना मंच)। बजरंग रामलीला संचालिका समिति के मंच पर विपिन गौड़, कार्तिक गौड़, विनोद शर्मा, विकास नागर, नवल भाटी उपस्थित रहे जिनके के कर-कमलों से आरती करने के उपरान्त दीप प्रज्ज्वलित कर श्रीराम लीला के मंचन का प्रारम्भ किया गया।

मंच पर सीता स्वयंवर से लेकर माता जानकी के विवाह के पश्चात दुल्हन के रुप में विदाई तक के मार्मिक दृश्य तक की लीला का मंचन किया गया। इस अवसर पर समिति के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों के अतिरिक्त कलाकार और बहुत से गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सेक्टर-55 में मनाई पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

नोएडा (चेतना मंच)। लक्ष्य अन्त्योदय सेवा केन्द्र द्वारा अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती सेवा केंद्र सेक्टर 55 नोएडा में मनाई।

केन्द्र संचालक सुनीता नयाल ने बताया कि गरीब बच्चों को शिक्षा संस्कार एवं सेवा का यह केंद्र पिछले कईवर्षों से चल रहा है उन्हीं के जन्म दिवस पर इस सेवा केंद्र की स्थापना की गई। सेवा केंद्र के माध्यम से बच्चों को शिक्षा संस्कार के साथ साथ कापी किताबें, एवं जलपान की भी व्यवस्था की जाती है एवं समय पर बच्चों को गीत संगीत के माध्यम से भी देश प्रेम के प्रति प्रेरित किया जाता है।

इस दौरान मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष गिरीश कोटनाला जी ने पंडित दीनदयाल जी के जीवन पर जानकारी दी कार्यक्रम में सुरेंद्र बिष्ट सुनीता, विनीता, कल्पना ,प्रेमा उपस्थित रहे।

महर्षि नगर की रामलीला में उमड़ रहा जनसैलाब

नोएडा (चेतना मंच)। महर्षिनगर में चल रही रामलीला महोत्सव के पांचवें दिन नोएडा में भक्ति, अध्यात्म और सांस्कृतिक उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। रात्रि 8 बजे शुरू हुए इस भव्य आयोजन ने हजारों श्रद्धालुओं के हृदय को राममय कर दिया।

रामलीला का मंचन भगवान श्रीराम की आरती के साथ शुरू हुआ। कलाकारों ने दशरथ-कैकेयी संवाद, राम वनगमन, निषाद मिलन और तमसा विश्राम लीला का भावपूर्ण मंचन किया। उनके उत्कृष्ट अभिनय और संवादों ने दर्शकों की आंखें नम कर दीं। प्रत्येक दृश्य में रामायण की पवित्रता और भावनाओं का ऐसा समावेश था कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो उठे।

आयोजन में महर्षि महेश योगी संस्थान के अध्यक्ष और महर्षि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अजय प्रकाश श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष राहुल भारद्वाज, श्रीदुर्गा पूजा एवं रामलीला महोत्सव के संयोजक रामेंद्र सचान, कोषाध्यक्ष श्री विनीत श्रीवास्तव, यादवेंद्र यादव, शिशिर कांत श्रीवास्तव, श्रीकांत ओझा, विनोद दीक्षित, दया शंकर गुप्ता, ललन पाठक, गिरीश अग्निहोत्री, शिशुपाल यादव, एस.पी. गर्ग, विनोद श्रीवास्तव, राजेंद्र शुक्ला आदि उपस्थित रहे। उनकी गरिमामय उपस्थिति ने इस आयोजन को और अधिक विशेष बना दिया।

रामलीला मंचन का सीधा प्रसारण यूट्यूब चैनल पर किया गया, जिसके माध्यम से भारत और विदेशों में बसे लाखों रामभक्तों ने इस आयोजन का आनंद लिया। इस तकनीकी पहल ने रामलीला को वैश्विक मंच प्रदान किया, जिससे विश्व भर के श्रद्धालु इस भक्ति उत्सव से जुड़ सके।

श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी

शहर में निकली राम बारात, हुआ कई जगह भव्य स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी सेक्टर-46 के द्वारा शुक्रवार को रामलीला से पहले राम बारात का आयोजन किया गया, राम बारात सेक्टर 46 से धूमधाम से निकली गई और कई जगह राम बारात का लोगों ने भव्य स्वागत किया।

शुक्रवार को रामलीला के शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सांसद अयोध्या अवधेश प्रताप सिंह मौजूद रहे, उन्होंने कहा कि भगवान राम का मंदिर जब से अयोध्या में पूर्ण रूप से संपूर्ण हुआ है ,तब से अयोध्या में अमन चैन कायम हुआ ,और भगवान के दर्शन करने के लिए भी लोगों की भीड़ लगी रहती है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार रामलीला देखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को भी रामलीला में पहुंचकर भगवान राम के दर्शन करने चाहिए, क्योंकि भगवान राम को हमेशा मर्यादा पुरुषोत्तम राम के नाम से जाना जाता है, इसलिए उनके दर्शन करने जरूरी है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल चौधरी भी मौजूद रहे, इसके अलावा, संजीव बेदी सहायक महाप्रबंधक आवासीय भूखंड नोएडा प्राधिकरण, कांग्रेस के मुकेश यादव, रामकुमार तंवर, पुरुषोत्तम नागर, पवन शर्मा, मुकेश शर्मा, फिरे सिंह नागर ,संजय तनेजा, अभिषेक जैन, यतेंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

इस अवसर पर रामलीला देखने आए लोगों और मुख्य अतिथि का रामलीला के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल और उनकी टीम ने आभार प्रकट किया।

श्रीराम मित्र मंडल रामलीला समिति

श्रीराम बारात शोभायात्रा का जगह-जगह हुआ स्वागत

नोएडा। श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा रामलीला समिति द्वारा सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला मंचन के पंचम दिन भगवान श्रीराम की बारात एवं शोभायात्रा सेक्टर 20 के हनुमान मंदिर से एस एम गुप्ता, सुधीर पोरवाल,राकेश कुमार, मनोज गोयल, मुकेश गर्ग, एडवोकेट मनोज गुप्ता, बजरंगलाल गुप्ता, संदीप पोरवाल एवं प्रवीण गोयल के संयोजन में बड़े धूम धाम से निकाली गयी।

समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग, अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव मुन्ना कुमार शर्मा ने नारियल फो ?कर शोभायात्रा का शुभारंभ किया।सेक्टर 20 से निकली भगवान श्रीराम की बारात सैकड़ों की संख्या में मौजूद लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगा कर वातावरण को राममय कर दिया। ढोल, बेंड बाजे, घोड़ों , रथों के साथ निकली राम बारात का जगह जगह फूल मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया। भगवान श्री गणेश , ब्रहमा जी, शंकर भगवान, श्री राम, लक्ष्मण जी ,भरत ,शत्रुघ्न ,ऋषि वशिष्ठ, अग्रसेन जी महाराज एवं अन्य राजा अपने अपने रथों एव घोड़ों पर सवार होकर निकले। हुनमान मंदिर समिति द्वारा बारात का भव्य स्वागत किया गया।ततपश्चात सेक्टर 22-26 के गेट, डीएम चौराहा,टेलीफोन एक्सचेंज सेक्टर-19, हरौला,सेक्टर 5, 9,11,12,22,55,56 होते हुए रामलीला स्थल पहुंची।

इस दौरान सेक्टर 20- 26 गेट पर बीना गोयल, सेक्टर 19 शर्मा हॉस्पिटल पर पोरवाल समाज, सेक्टर 9 में ई- 1 पर राजीव जैन, एच - 1 राजेश गिरधर, आई - 9 पर जनता साईकिल, आई - 65 पर सुशील सिंघल, आई - 67 पर आत्माराम,आई - 70 पर मुकेश गर्ग, बांस मंडी, शिवानी फर्नीचर पर राकेश गुप्ता, एच - 100 सेक्टर 12 पर राधाकृष्ण गर्ग एवं प्रदीप अग्रवाल, मेट्रो हॉस्पिटल पर सतपाल बंसल, स्टैंडर्ड स्वीट, सुमित्रा हॉस्पिटल पर डॉ वी के गुप्ता, पेट्रोल पंप सेक्टर 12 पर अनिल चौहान, सेक्टर 55- 56 तिराहे पर उतर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल , सेक्टर 55 में श्यामलाल,श्रीकांत बंसल, सेक्टर 10 में बजरंग दल, बजरंग लाल, बारात घर, खोड़ा लेबर चौक पर मनोज गुप्ता द्वारा विभिन्न स्थानों पर बारात का स्वागत किया गया।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 में दिख रहा युवाओं का जोश

ग्रेटर नोएडा। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (UPITS-2025) में आयोजित सीएम युवा कॉनक्लेव के दूसरे दिन युवाओं की भारी भीड़ देखी गई। हजारों छात्र-छात्राओं ने स्टॉल्स का भ्रमण कर नए बिजनेस आइडियाज और इनोवेटिव उद्यमों की जानकारी प्राप्त की।

योगी सरकार की पहल से बढ़ा आत्मविश्वास

सीएम युवा कॉनक्लेव ने स्पष्ट कर दिया कि योगी सरकार की नीतियां और [illegible]-2025 जैसे प्लेटफॉर्म न केवल निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं बल्कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर भी प्रदान कर रहे हैं। यह आयोजन प्रदेश में स्टार्टअप इकोसिस्टम और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की दिशा में एक मजबूत कदम साबित हो रहा है।

फिरोजाबाद, गाजियाबाद, मेरठ, आगरा, गौतमबुद्ध नगर, मैनपुरी और मथुरा से आए 700 से अधिक छात्रों समेत एनसीआर के करीब 1500 युवाओं ने प्रदर्शनी विजिट की।

समस्त स्टॉल्स पर युवाओं द्वारा 2000 से अधिक बिजनेस इन्क्वायरी की गईं। खास तौर पर ओसियान इंटरप्राइजेज के कॉरपोरेट गिफ्टिंग स्टॉल पर 125 से अधिक युवाओं ने गहरी रुचि दिखाई। वहीं, क्यूटीएम, ग्रिप इंटरनेशनल, प्रॉस्पर ग्रुप और कोशिश सस्टेनेबल साल्यूशन्स के मशीनरी सप्लायर स्टॉल्स पर भी जबरदस्त भीड़ रही।

कॉनक्लेव के दौरान 20 से अधिक बी टू बी मीटिंग्स सम्पन्न हुईं। इसके साथ ही डॉ. गैराज, मिस्टर सैंडविच, धोबीलाइट, अर्द्धसैनिक कैंटीन और अमूल इंडिया जैसे स्टार्टअप्स व ब्रांड्स ने छात्रों को अपने बिजनेस मॉडल प्रस्तुत किए। विषय विशेषज्ञों ने भी उद्यमिता और स्टार्टअप स्थापना पर विस्तृत जानकारी देकर युवाओं का मार्गदर्शन किया।